डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

PG-8

सिनेमाःशादी के लिए कॉपी किया कंगना रनोट का दो साल पुराना लुकें

वर्ष -08 अंक -41 | प्रयागराज, शनिवार 16 अप्रैल, 2022 | पृष्ठ-08 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

इंदौर के शख्स ने किराए के कमरे को बनाया 'सिंगल स्क्रीन सिनेमा म्यूजियम' दर्शकों की लगी कतार

इंदौर। प्रतिभाओं से भरा इंसान अक्सर अपने अनोखे तरीके से सबको चकित कर देता है। देश में घटते सिंगल स्क्रीन सिनेमा हाल को देखते हुए इंदौर के एक व्यक्ति ने ऐसा ही काम किया है, जिससे हर कोई उसकी प्रशंसा करते नहीं थक रहा। विनोद जोशी नाम के इस व्यक्ति ने एक छोटे से किराए के कमरे के अंदर 'सिंगल स्क्रीन सिनेमा संग्रहालय' बनाया है, जिसे उसने 'इंदौर सिनेमा संग्रहालय' नाम दिया है। 'इंदौर सिनेमा संग्रहालय' कोई आम सिनेमा नहीं बल्कि अपने आप ढेरों यादें समेटे हुए है। यह संग्रहालय 1917 से वर्ष 2000 तक सिंगल-स्क्रीन सिनेमा की यात्रा की यादों से भरा हुआ है।? इसके साथ ही इसने सिनेमा की दुनिया के बहुत से पहलुओं को बांध कर रखा है, जिसे यहां आने वाले लोग देख और महसूस कर सकते हैं। इस संग्रहालय को बनाने वाले विनोद जोशी ने बताया, 'सिंगल-स्क्रीन सिनेमा आज मर रहा है, ऐसा नहीं होना चाहिए। इसे ध्यान में रखते हुए, मैंने एक संग्रहालय बनाया है। मैं लोगों को सिनेमा की यात्रा के बारे में बताना चाहता हूं। मैंने इस संग्रहालय के लिए 1983 में चीजों को इकट्ठा करना शुरू किया और यह 2015 में पूरा हुआ। एक टिकट की कीमत 1.60 रुपये है। इसके साथ ही जोशी ने कहा कि सिनेमा घरानों, टिकटों, उनके प्रचारों, पोस्टरों और उनकी कमाई के आंकड़ों से लेकर फिल्म रीलों तक संग्रहालय इतिहास के हर इंच पर यह संग्रहालय प्रकाश डालता है। इसके अलावा, संग्रहालय में 9 मिमी से 70 मिमी तक की गूंगी फिल्मों की सिनेमा रील भी प्रदर्शित की गई हैं। इस सिनेमा हाल में फिल्मों को भी पुराने प्रोजेक्टर के साथ प्रदर्शित किया जाता है।

ठेकेदार संतोष पाटिल मौत मामले में राज्यमंत्री ईश्वरप्पा आज शाम देंगे इस्तीफा

बेंगलुरु। कर्नाटक में ठेकेदार संतोष पाटिल की मौत के मामले पर विपक्ष का हंगामा जारी है। इस क्रम में शुक्रवार शाम को राज्य मंत्री के एस ईश्वरप्पा अपना इस्तीफा सौंप देंगे। इस बात की पुष्टि मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने की है। मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा, 'राज्य मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा ने खुद ही इस्तीफा देने का फैसला लिया है जिसके बाद हंगामा जारी है। पुलिस का कहना है कि पाटिल का शव प्राइवेट लाज में पाया गया। बता दें कि ठेकेदार संतोष पाटिल की मौत के बाद से ही विपक्ष राज्य मंत्री केएस ईश्वरप्पा को बर्खास्त करने की लगातार मांग कर रहा है। इस बीच भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के सांसद बिनाय विश्वम ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज

और वो आज शाम इस्तीफा दे देंगे। मामले में विपक्ष को जांच अधिकारी या जज बने की जरूरत नहीं है क्योंकि जांच के बाद सब सामने आ जाएगा। कर्नाटक के ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज मंत्री केएस ईश्वरप्पा पर संतोष पाटिल ने ठेके के लिए 40 फीसद कमीशन मांगने का आरोप लगाया था। बेलगावी जिला निवासी ठेकेदार पाटिल उडुपी के एक लाज में मृत पाया गया। बोम्मई को पत्र लिखकर मंत्री केएस ईश्वरप्पा को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने और ठेकेदार संतोष पाटिल की मौत के खिलाफ केएस ईश्वरप्पा पर सख्त कार्रवाई की भी मांग की। उन्होंने लिखा कि संतोष पाटिल ने 12 अप्रैल को उडुपी के एक लाज में 'कर्नाटक के ग्रामीण विकास मंत्री केएस ईश्वरप्पा और उनके सहयोगियों द्वारा परेशान किए जाने के बाद आत्महत्या कर ली थी। इससे पहले मंत्री ईश्वरप्पा ने अपने पद से हटने से इंकार कर दिया था। उन्होंने मामले में एक व्हाट्सएप संदेश को मृत्यु नोट माने जाने पर हैरानी जताई थी। मंत्री ने ठेकेदार संतोष पाटिल की मौत के पीछे रची गई साजिश की जांच की मांग की थी। मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा था कि इस मामले में सच्चाई का पता लगाने के लिए वह खुद ईश्वरप्पा से बात करेंगे। संतोष पाटिल ने मंत्री के खिलाफ रिश्वत मांगने के आरोप लगाए थे। प्रशांत की ओर से दर्ज प्राथमिकी में, ईश्वरप्पा और उनके दो स्टाफ सदस्यों - रमेश और बसवराज को आरोपी बनाया गया है। मृतक ठेकेदार के भाई प्रशांत पाटिल ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा था कि 2020-21 में हिंडालगा गांव के निवासियों ने राज्य की राजधानी में ईश्वरप्पा से मुलाकात की थी। लोगों ने उनसे आग्रह किया था कि वह पानी की निकासी के लिए नाला, सड़कों और फुटपाथ का निर्माण कराएं। ईश्वरप्पा ने बजट की चिंता किए बगैर इस काम की अनुमति दे दी और ठेकेदार संतोष पाटिल को इस काम का ठेका दिया गया था। उनके भाई संतोष पाटिल ने परियोजना में चार करोड़ रुपये का निवेश किया था और उसका बिल अब तक पेंडिंग है। उन्होंने कहा कि संतोष कई बार मंत्री ईश्वरप्पा से मिले थे और उनसे बिल को मंजूरी देकर धनराशि जारी करने का अनुरोध किया था लेकिन ईश्वरप्पा के सहयोगी उनसे 40 फीसद कमीशन की मांग कर रहे थे।

पीएम मोदी देंगे भुज को तोहफा

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के भुज को बड़ा तोहफा दिया है। मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए भुज में केके पटेल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया। 200 बिस्तरों वाले इस अस्पताल का निर्माण श्री कच्छी लेवा पटेल समाज की ओर

से किया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, यह 200 बिस्तरों वाला कच्छ का पहला धर्मार्थ सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल है। पीएम ने अस्पताल के उद्घाटन के बाद जनता को संबोधित भी किया। मोदी ने कहा कि भूकंप से मची तबाही को पीछे छोड़कर भुज और कच्छ के लोग अब अपने परिश्रम से इस क्षेत्र का नया भाग्य लिख रहे हैं। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सिर्फ बीमारी के इलाज तक ही सीमित नहीं होती हैं, ये सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित करती हैं। जब किसी गरीब को सस्ता और उत्तम इलाज सुलभ होता है, तो उसका व्यवस्था पर भरोसा मजबूत होता है। भूकंप से मची तबाही को पीछे छोड़कर भुज और कच्छ के लोग अब अपने परिश्रम से इस क्षेत्र का नया भाग्य लिख रहे हैं। आज इस क्षेत्र में अनेक आधुनिक मेडिकल सेवाएं मौजूद हैं। इसी कड़ी में भुज को आज एक आधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल मिल रहा है। मोदी ने कहा कि 200 बेड का ये सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल कच्छ के लाखों लोगों को सस्ती और बेहतरीन इलाज की सुविधा देने वाला है। ये हमारे सैनिकों, अर्धसैनिक बलों के परिवारों को और व्यापार जगत के अनेक लोगों के लिए भी उत्तम इलाज की गारंटी बनकर सामने आने वाला है।

इंडिगो की डिब्रूगढ़-दिल्ली फ्लाइट में उड़ान के दौरान यात्री के फोन में लगी आग चालक दल के सदस्यों ने वक्त रहते स्थिति को संभाला

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस की डिब्रूगढ़-दिल्ली उड़ान के दौरान गुरुवार को एक यात्री के मोबाइल में आग लग गई। हवाई जहाज के कर्मचारियों (केबिन क्रू) ने अग्निशमन यंत्र की मदद से आग बुझाई। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी यात्री या चालक दल के सदस्य को कोई नुकसान नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट 6ई 2037 डिब्रूगढ़ से दिल्ली आ रही थी, तभी चालक दल के एक सदस्य ने एक यात्री के फोन से चिंगारी और धुआं निकलते देखा। इसके बाद केबिन क्रू सदस्य ने अग्निशमन यंत्र की मदद से आग बुझाई। उन्होंने बताया कि विमान गुरुवार दोपहर करीब 12.45 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। इंडिगो ने एक बयान में कहा, डिब्रूगढ़ से दिल्ली की उड़ान 6ई 2037 में मोबाइल डिवाइस की बैट्री असामान्य रूप से गर्म हो गई। चालक दल के प्रशिक्षित सदस्यों ने हालात को संभाल लिया। किसी भी यात्री या संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ।

आज पृथ्वी से टकराएगा सूर्य से उठा भूचुंबकीय तूफान

नई दिल्ली। सूर्य की सतह पर मची खलबली से शुक्रवार को पृथ्वी पर भू-चुंबकीय तूफान की संभावना जताई गई। इस तूफान का असर शनिवार को भी बना रह सकता है। इसके चलते कई देशों में रेडियो सिगन्ल गड़बड़ाने के साथ कमजोर पावर ग्रिड में खराबी पैदा होने की आशंका जताई जा रही है। अमेरिका स्थित स्पेस वेदर प्रेडिक्शन सेंटर (एसडब्लूयूपीसी) के अनुसार सूर्य की सतह पर स्थित मृत सनस्पाट (धब्बा) एआर 2987 से अत्यधिक ऊर्जा वाली सामग्री उछलकर अंतरिक्ष के निर्वात में गिरेगी। यह स्पाट पिछले कुछ दिनों से अचानक सक्रिय हो गया था।

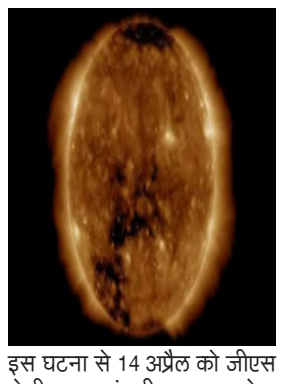

इस घटना से 14 अप्रैल को जीएस श्रेणी का भू-चुंबकीय तूफान उठेगा जो पृथ्वी तक असर करेगा। इस तूफान की रफ्तार 16,13,520 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। एसडब्लूयूपीसी ने अपने अलर्ट में 14 अप्रैल 2022 के लिए जियोमैगनेटिक स्टार्म वाच और 15 अप्रैल 2022 के लिए जी1 (माइनर) जियोमैगनेटिक स्टार्म वाच जारी की है। विज्ञानियों के अनुसार पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र इसका असर झेलने को तैयार है। इस टकराव से मध्यम भू-चुंबकीय तूफान आएगा और दुनिया के कुछ हिस्सों में रेडियो सिगन्ल गायब हो सकते हैं। पावर ग्रिडों में भी गड़बड़ी हो सकती है। भू-चुंबकीय तूफान पृथ्वी के मैगनेटोस्फीयर की एक बड़ी गड़बड़ी है जो तब होती है जब सौर हवा से पृथ्वी के आसपास के अंतरिक्ष वातावरण में ऊर्जा का बहुत ही कुशल आदान-प्रदान होता है। एसडब्लूयूपीसी ने 15 अप्रैल को तूफान का असर जारी रहने की संभावना व्यक्त की है।

किसानों को मिलेगी बड़ी राहत, छुट्टा पशुओं की समस्या से निजात दिलाएगी गौशाला अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। नीति आयोग गाय के गोबर के व्यावसायिक इस्तेमाल और किसानों के लिए बोझ बनने वाले छुट्टा पशुओं से जुड़े विभिन्न मसलों को हल करने के लिए एक कार्ययोजना पर काम कर रहा है। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने यह जानकारी देते हुए कहा कि हम गोशाला अर्थव्यवस्था में सुधार करने के इच्छुक हैं। आयोग ने आर्थिक शोध संस्थान नेशनल काउंसिल आफ एप्लाइड इकोनमिक रिसर्च (एनसीएईआर) को गौशाला अर्थव्यस्था पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए भी कहा है, ताकि उसका व्यावसायिक लाभ सुनिश्चित किया जा सवे चंद ने कहा, हम सिर्फ यह देख रहे हैं कि गौशाला अर्थव्यवस्था में सुधार की क्या संभावनाएं हैं हम इस संभावना को देख रहे हैं कि क्या हम गौशाला से प्राप्त होने वाले सह-उत्पादों यानी गोबर से कुछ आमदनी हासिल कर सकते हैं या इसका मूल्यवर्धन कर सकते हैं। चंद के नेतृत्व में सरकारी अधिकारियों की एक टीम ने वृंदावन

(उत्तर प्रदेश), राजस्थान और भारत के अन्य हिस्सों में बड़ी गौशालाओं का दौरा किया और उनकी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने बताया कि शायद 10 प्रतिशत या 15 प्रतिशत गाएं थोड़ी मात्रा में दूध देती हैं। लेकिन यह श्रम, चारा और उपचार की लागत को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। नीति आयोग में कृषि नीतियों की देखरेख करने वाले चंद ने कहा, गाय के गोबर का इस्तेमाल बायो-सीएनजी बनाने के लिए किया जा सकता है..। इसलिए हम इस तरह की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने गोबर से बायो-सीएनजी के उत्पादन के फायदे पर प्रकाश डाला। कहा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के बजाय हम इसे ऊर्जा के रूप में उपयोग करेंगे, जो लाभ भी देगा। प्रसिद्ध कृषि अर्थशास्त्री चंद ने कहा कि अवांछित मवेशियों को खुले में छोड़ना भी फसलों के लिए हानिकारक है। इसलिए हम गौशाला अर्थव्यवस्था पर काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के समय अपने मालिकों द्वारा छुट्टा छोड़ दिए गए पशुओं की समस्या चर्चा का विषय रही थी। विपक्षी दलों की ओर से इसे मुद्दा बनाने का प्रयास किया गया था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य में छुट्टा पशुओं की समस्या को दूर करने का भरोसा दिया था। उन्होंने अपनी जनसभाओं में कहा था कि 10 मार्च को दोबारा सरकार बनने पर इस संकट को दूर किया जाएगा।

भूकंप के तेज झटकों से हिली अरुणाचल प्रदेश की धरती, जानें कितनी रही रिक्टर स्केल पर तीव्रता

सियांग। अरुणाचल प्रदेश के पांगिन में आज भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप सुबह करीब 6.56 बजे आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार 5.3 तीव्रता का भूकंप 1176 किमी उत्तर में आया। हालांकि भूकंप से किसी को कोई नुकसान की खबर नहीं है। एनसीएस ने ट्वीट किया, भूकंप की तीव्रता 5.3 मैगनेट्यूड रही और यह 38.62 अक्षांश में 30 किमी गहराई पर था। भूकंप के आते ही लोगों ने अपने-अपने घरों से निकलना शुरू कर दिया था। बता दें कि एक हफ्ते पहले ही अंडमान और निकोबार द्वीप में भूकंप आया था। जानकारी के अनुसार यह 70 की गहराई पर कैंपबेल में आया था और रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.6 मैग्नेट्यूड रही थी। गुजरात के कच्छ जिले में भी कुछ दिनों पहले ही 3.2 मैगनेट्यूड की तीव्रता का भूकंप आया था। गांधीनगर स्थित भूकंपीय अनुसंधान संस्थान के अनुसार भूकंप रात 12.49 बजे महसूस किया गया था। भूकंप का केंद्र कच्छ में रापड़ से एक किलोमीटर दूर 12.2 किलोमीटर की गहराई पर था। नेशनल सेंटर फार सीस्मोलाजी के अनुसार एक हफ्ता पहले पंजाब के बठिंडा के पास भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप की तीव्रता 4.4 मैगनेट्यूड दर्ज की गई थी। भूकंप का केंद्र बठिंडा से 231 किमी पश्चिम में था।

देश में कोरोना के एक हजार से कम नए मामले, 6 लोगों की मौत, एक्टिव केस बढ़े

नई दिल्ली। देश में कोरोना के एक हजार से कम मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के 949 नए मामले सामने आए हैं। बता दें कि भारत में दो दिन बाद एक हजार से कम मामले दर्ज किए गए हैं। इससे पहले, 12 अप्रैल को 1,088 और 13 अप्रैल को 1,007 मामले सामने आए थे। इसी बीच कोरोना के कारण 6 लोगों की मौत भी हुई है। अब तक कुल 5,21,743 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में एक्टिव मामलों की संख्या बढ़ गई है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 810 मरीज डिस्चार्ज हुए हैं। इसके साथ ही कोरोना के एक्टिव केस अब बढ़ गए हैं। एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 11,191 हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक कुल 4,25,07,038 लोग रिकवर हो चुके हैं। कोरोना के अब तक 4,30,39,972 मामले सामने आ चुके हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया कि भारत में कल कोरोना वायरस के लिए 3,67,213 सैंपल टेस्ट किए गए। कल तक कुल 83,11,77,370 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। एक सप्ताह के भीतर ही कोरोना के मामले 150 से बढ़कर 300 के पार चले गए हैं। गुरुवार को यहां कोरोना के 325 नए मरीज मिले है। हालांकि, इस दौरान दिल्ली में किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) अगले सप्ताह 20 अप्रैल को अहम बैठक करेगा। नोएडा में बीते एक हफ्ते में 44 बच्चे कोरोना संक्रमित पाए गए है। इनमें से 16 संक्रमित बच्चों की उम्र 18 साल से भी कम है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि प्रभावित बच्चों का प्रतिशत 26.3 फीसद है।

विद्युत चोरी रोको महा अभियान प्रवर्तन दल का छापा

(अधूनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

फूलपुर। विद्युत चोरी रोको महा अभियान अंतर्गत अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड द्वितीय मनोज गुप्ता के निर्देशन में बृहस्पतिवार सुबह 5:30 बजे मार्निंग रेड का आयोजन किया गया जिसमें उग्रसेनपुर उर्फ बीबीपुर एवं सोरो बाजार में 25 पर 135 एफ आई आर, लोड बुक 35 किलो वाट लाइन डिस्कनेक्ट, 52 डिस्कनेक्शन राशि 22.50 लाख, लोड एक्सटेंशन 12, लोडबुक 17 किलो वाट, टैरिफ परिवर्तन 10 नग, साइट पर राजस्व प्राप्ति 2.54 लाख रही। मौके पर एसडीओ प्रांजल मिश्र, जेई विजय कुमार, बृथराज राम, इंद्रसेन यादव एवं समस्त विद्युत कर्मचारी स्टाफ मौजूद रहे।

बाबा साहब डॉक्टर बी आर अंबेडकर को किया गया नमन

(अधूनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

फूलपुर। ग्राम सचिवालय मैलहन पर संविधान शिल्पी बाबा साहब

डॉक्टर बी आर अंबेडकर की जयंती श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर महेश यादव एडवोकेट ने कहा। गुजर गए वह भीम थे, दुनिया को जगाने वाले भीम थे, हमने तो सिर्फ इतिहास पढ़ा है यारों इतिहास बनाने वाले भीम थे,, इसी क्रम में प्रधान नंदलाल यादव ने कहा। कि आज का दिन बड़ा महान है। बनकर सूरज चमका एक इंसान कर गए सबके भले का काम, बना गए भारत का संविधान,, ग्राम सचिव अनिल मौर्या ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मौके पर महमूद अहमद, योगेंद्र यादव, रमेश यादव, जंग बहादुर यादव, बुलाकी लाल यादव, असगर अली, लल्लू, सफीक अहमद,पुट्टी लाल गुप्ता, इमरान खान, वहीद खान, मोहम्मद नसीम आदि लोग एकत्रित रहे।

भारत रतन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई

(अधूनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

फूलपुर। महामानव बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती पर बृहस्पतिवार सुबह राज्य की यूनानी चिकित्सालय मैलहन मैं डॉक्टर श्रीकांत जोशी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा बाबा साहब के चित्रों पर माल्यार्पण करके उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने गरीबों दलितों को समानता का अधिकार दिलाया। रामसुंदर गौतम ने कहा कि जातीय समीकरण समाप्त कर आपस में भाईचारा का संदेश बाबा साहब ने ही दिया। मास्टर अयूब खान संविधान शिल्पी बाबा साहब की जीवन पर प्रकाश डाला। इस मौके पर पूर्व बीडीसी मसूद अहमद, सदर, अ0 मजीद खां, एजाज खान, सिराज, भाया, मोहम्मद सईद, राम भजन, मोहम्मद इरफान, कमर आदि मौजूद रहे ।

प्रबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी एवं श्रीमती रेखा अवस्थी जी का इसको फूलपुर पहुंचने पर भव्य स्वागत

(अधूनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

फूलपुर। माननीय प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी एवं आदरणीया श्रीमती रेखा अवस्थी जी इफको फूलपुर इकाई पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत हुआ।अतिथि गृह पर कार्यकारी निदेशक इकाई प्रमुख श्री संजय कुदेशिया व श्रीमती विनीता कुदेशिया ,अन्य संयुक्त महाप्रबंधक व उपमहाप्रबंधक सपतनेक, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं इफको कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर अपने प्रबंध निदेशक व इफको परिवार की प्रथम महिला का स्वागत किया।मुख्य सुरक्षा अधिकारी कर्नल श्री दिनेश सिंह एवं सुरक्षा गार्डों ने प्रबंध निदेशक को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी इफको फूलपुर इकाई में आगामी तीन दिवसीय दौरे पर है। जिसमें इफको परिसर में नवीनीकृत श्रीराम मंदिर का प्रतिष्ठान व संयंत्र भ्रमण है।उन्होंने बोर्ड रूम में वरिष्ठ अधिकारियों के संग बैठक की जिसमें उन्हें तकनीकी प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के ऑफिस पर गए जिसमें उनका स्वागत इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संजय कुमार मिश्र व महामंत्री श्री स्वयं प्रकाश ने उनका स्वागत किया। प्रबंध निदेशक ने अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों की तारीफ किया एवं उन्हें चुनौतियों से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहने का निर्देश दिया। इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उन्हें 51 किलो की माला पहनाकर उनका सम्मान किया।प्रबंध निदेशक ने उनके स्वागत में आए हुए बच्चों को बैग,वॉटर बोतल,चॉकलेट पैकट आदि गिफ्ट दिया। इस दौरान सोनू तिवारी, गौतम कुमार,एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी व बड़ी संख्या में अधिकारी उपस्थित रहे। इसके पश्चात सायं 7 बजे सामुदायिक केंद्र में भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमे लखनऊ से आये अगिन्होत्री बंधुओं शानदार प्रस्तुति दी। इसके पश्चात मैत्री पार्क में रात्रि भोजन का प्रबंध किया गया था।भजन संध्या में प्रबंधक निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी व श्रीमती रेखा अवस्थी, कार्यकारी निदेशक इकाई प्रमुख श्री संजय कुदेशिया व श्रीमती विनीता कुदेशिया, महाप्रबंधक श्री गिरीधर मिश्र,उपमहाप्रबंधक का0 एवं प्रशा0 श्री दानवीर सिहं, वित्त एवं लेखा प्रमुख श्री एस.के.सिंह,संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः श्री ए.पी. राजेन्द्रन,श्री संजय वैश्य,श्री एम.डी. मिश्र,श्री संतोष कुमार शुक्ला,डॉ. अनीता मिश्रा ,श्री पी.के.सिंह,श्री संजय भंडारी,श्री पी.वेः. पटेल,श्री अरुण कुमार,कार्डेट प्रधानाचार्य श्री राजेन्द्र यादव,विशिष्ठ कार्य अधिकारी श्री डी.पी.एस. तोमर, अन्य समस्त उपमहाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष,एवं वरिष्ठ अधिकारी सपतनेक उपस्थित रहे।इस दौरान इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संजय कुमार मिश्र व महामंत्री श्री स्वंय प्रकाश,इफको कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री पंकज पाण्डेय व महामंत्री श्री विनय यादव एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पारिवारिक मुकदमों का अधिक से अधिक करायें निपटारा -प्रधान न्यायाधीश

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में कुटुम्ब न्यायालय प्रधान न्यायाधीश सुरेश चन्द्र आर्या द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 14 मई के सम्बन्ध में प्री-ट्रायल बैठक की गयी। बैठक में प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक वादों से सम्बन्धित मामलों का पक्षकारों की सहमति व सुलह समझौते के आधार पर अधिक से अधिक पारिवारिक मुकदमों का निपटारा पक्षकारों की सहमति से करायें, इसमें पक्षकारों को शीघ्र न्याय मिल जाता है और उनको बेवजह कचहरी के चक्कर नही काटने पड़ते, इसमें धन और समय की बचत होती है। बैठक का संयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नीरज कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। बैठक में पारिवारिक वादों से सम्बन्धित अधिवक्तागण, मध्यस्थगण एवं परामर्शदाता भी उपस्थित रहे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित
ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.naniiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 30 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710,
9807278552, 9415608790

ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के विरुद्ध जाँच अधिकारी कर रहे लीपापोती

प्रतापगढ़।विकास खंड लक्ष्मणपुर के रामपुर कल्हवारी की ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी की मनमानी एवं ग्राम पंचायत में सरकारी धन के दुरुपयोग की शिकायत करने वाले अधिकारी लीपापोती कर रहे हैं।वे इन्हें बचाने का काम कर रहे हैं जिससे ग्रामीणों में आक्रोश हैं। इस ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिए गए शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि गाटा संख्या 108 पर जेसीबी से समतलीकरण करवाया जा रहा है।इसके अलावा भी इस ग्राम पंचायत में मनरेगा के फर्जी जॉब कार्ड बनवाने का आरोप प्रधान उर्मिला यादव एवं ग्राम पंचायत अधिकारी आशा पाल पर लगाया गया है।इन दोनों पर सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप पिछले 10 महीने से लगता रहा है लेकिन इनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है जाँच करने पहुँचे अधिकारियों ने ग्रामीणों से बात की।ग्रामीणों का आरोप है कि इस ग्राम की प्रधान उर्मिला यादव का पति विवेक यादव अपराधी किस्म का है।ग्राम पंचायत अधिकारी आशा पाल भी उसके इस भ्रष्टाचार में पूरी तरह से सहयोगी हैं।ग्रामीणों पर प्रधान पति धौंस जमाता है और उन्हें धमका कर किसी भी जाँच में मुँह खोलने से मना करता है।जाँच करने पहुँचे अधिकारी भी ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के विरुद्ध लगाए गए शासन के धन के दुरुपयोग के विरुद्ध कोई कार्यवाही न करके लीपापोती का कार्य कर रहे है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है।ग्रामीणों का कहना है इस विकास खंड का पूरा तंत्र भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। यही कारण है कि शासन के धन का दुरुपयोग हो रहा है।ग्राम प्रधान एवं ग्राम विकास अधिकारी इस धन से अपनी जेब भर रहे हैं।ग्राम पंचायत अधिकारी आशा पाल ने पहले भी जेल में निरुद्ध व्यक्ति को मनरेगा की मजदूरी प्रदान किया है जिसको उन्होंने स्वीकार भी किया लेकिन उसके विरुद्ध आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के मनमानेपन के कारण सामुदायिक शौचालय में नियुक्त कर्मचारी को आज तक मानदेय नहीं दिया जा सका।

नौकरी छूटने के गम में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रयागराज। कीडगंज थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर में रहने वाले 27 वर्षीय जितेंद्र केसरवानी उर्फ गोलू ने गुरुवार सुबह फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह गोलू कमरे में सोने के लिए चला गया। कुछ देर बाद घरवाले पहुंचे तो उसे रस्सी के फंदे से झूलते पाया। युवक की मौत से घर में कोहराम मच गया। खबर पाकर पहुंची कीडगंज पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घरवालों ने पुलिस को बताया कि गोलू मानसिक रूप से बीमार चल रहा था। उसका इलाज कराया जा रहा था। इसी वजह से दो साल पहले उसकी प्राइवेट नौकरी छूट गई थी।

रावतपुर में प्रधान का है अपना नियम कानून

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़।उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले ही पारदर्शी शासन एवं जन-जन को लाभ पहुँचाने का प्रयास कर रहे हों पर विकासखंड लक्ष्मणपुर के कुछ गाँवों में प्रधानों के लिए इसका कोई मायने नहीं।वे ग्राम पंचायत के धन का दुरुपयोग करके अपनी हवेली ऊँची करने में लगे हुए है।ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत रावत रावतपुर का है जहाँ कक्षा 5 उत्तीर्ण प्रधान शकुंतला सरकारी धन का दुरुपयोग कर रही है।वह नाम की प्रधान है जबकि उनका काम उनके ही परिजन ओम प्रकाश सरोज जो ग्राम पंचायत अधिकारी है वह स्वयं करते है और कमाई के पैंच से भलीभांति परिचित वह ग्राम पंचायत के धन को इधर-उधर करने में लगे रहते है।

विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी ने बाब साहब को दिया श्रद्धासुमन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़।भारत रतन बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की 131वीं जयन्ती के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया द्वारा विकास भवन में डा0 भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी में संविधान निर्माता डा0 भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बाबा साहब के दिव्य चित्र पर मार्ल्यापण किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आज हमें जरूरत है कि हम बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी के बताये हुये आदर्शो, सिद्धान्तों पर चले। उन्होने समानता, आपसी भाईचारा और आपसी मेल मिलाप पर जो बल दिया था उसे हम कायम

रखे। उन्होने कहा कि स्वतंत्रता के लिये स्वतंत्रता सेनानियों ने अलग-अलग तरीके से अपना योगदान दिया, कुछ ओजस्वी थे, भगत सिंह के तरह कुछ शांतिप्रिय भी थे जैसे हमारे महात्मा गाँधीजी, कुछ सुभाष चन्द्र बोस की तरह सेना के बल पर विजय प्राप्त करना चाहते थे, कुछ अपनी कलम से विजय प्राप्त करना चाहते थे जैसे बाबा भीमराव अम्बेडकर उनमें से एक थे। आजादी के बाद भी उन्होने ऐसे संविधान को बनाया की हब हमारा और विभाजन न हो। शिक्षा के माध्यम से हम सफलता प्राप्त करते है और अपने लक्ष्य की प्राप्त करते है, कड़ी मेहनत और शिक्षा के बल पर मजदूर का बेटा भी आईएएस अधिकारी बन जाता है। समारोह का संचालन धर्मेन्द्र ओझा ने किया। कार्यक्रम में प्राचार्य अफीम कोठी शिव प्रकाश, डा0 विन्ध्याचल सिंह, डाक्टर मोहम्मद अनीस, अजय क्रान्तिकारी, विश्वजीत प्रताप सिंह, शिवम यादव, जय प्रकाश, बलराम, बीना यादव आदि उपस्थित रहे।

बलिया मे जिला महिला अस्पताल में मरीजों को बांटा गया एक्सपायर्ड दूध तीमारदारों ने जमकर किया हंगामा

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया।एक सप्ताह से ठेले पर मरीज को अस्पताल ले जाने के मामले में फंसा स्वास्थ्य विभाग एक बार फिर चर्चा में है। इस बार महिला अस्पताल में भर्ती करीब 40 मरीजों को एक्सपायर हुआ पैकेट बंद दूध वितरित कर दिया गया। मरीजों की शिकायत के बाद मामले को जिला अस्पताल ने संज्ञान लिया है। प्रकरण में सीएमएस ने रिपोर्ट तलब की है। जांच में दोषी आपूर्ति कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी है। वितरण की जिम्मेदारी बालाजी इंटरप्राइजेज को दी गई है। कंपनी रोजाना मदर डेयरी ब्रांड का पैकेट बंद दूध मरीजों को आपूर्ति करती है। 250 ग्राम दूध का मूल्य 10 रुपये है। बुधवार को मरीजों को 11 जनवरी 2022 का पैक्ड दूध वितरित कर दिया गया। वह एक महीने पहले एक्सपायर हो गया था, इसके बाद भी 40 मरीजों को वितरित किया गया। सीएमएस राशिद इमामुद्दीन ने बताया कि कंपनी के खिलाफ दोष सिद्ध होने पर ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। मामले की जांच बैठा दी गई है। कंपनी को पांच महीने पहले टेंडर आवंटित किया गया था। फर्म से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। सहायक नर्सिंग अधीक्षक समेत पांच कर्मचारियों के खिलाफ स्पष्टीकरण मांगा है। बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से प्रसव के लिए

जिला महिला अस्पताल में भर्ती महिलाओं की सेहत के लिए दूध देने की व्यवस्था की गई है। इसके तहत बलिया जिला महिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को दूध देने का ठेका एक फर्म को दिया गया था, मगर इस ठेकेदार की ओर से जिला महिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को एक्सपायरी डेट का दूध दे दिया गया दस रुपये का लगभग 200 एमएल का यह पैकेट इंटरनेट मीडिया पर भी चर्चा में उस समय आ गया जब महिला मरीजों को यह पैकेट वितरित किया गया। मगर पैकेट पर एक्सपायरी डेट तीमारदारों ने देखा तो वह आक्रोशित हो गए। इसकी शिकायत होने के बाद जिला महिला अस्पताल में अधिकारियों ने जांच पड़ताल के बाद कार्रवाई की बात कहकर शुरू कर लोगों को शांत कराया।

मंडलीय अस्पताल में 50 साल बाद भी नहीं बना एचआइवी वार्ड

बलरामपुर (आजमगढ़) । शहर के हर्रा की चुंगी स्थित 210 बेड के मंडलीय अस्पताल में स्थापना के 50 साल बाद भी एचआइवी मरीजों के लिए अलग से वार्ड नहीं बन सका। यहां वर्तमान में चिकित्सक की भी तैनाती नहीं किए गए हैं। एक अप्रैल 2019 से अप्रैल 2021 तक लगभग 1800 मरीजों का पंजीकरण हुआ जिनमें 1500 मरीजों का उपचार चल रहा है। अलग वार्ड न होने से महिला मरीज को महिला जनरल वार्ड में तथा पुरुष मरीज को पुरुष जनरल वार्ड में भर्ती किया जाता है। चिकित्सालय की स्थापना वर्ष 13 जुलाई 1966 में हुई तो उस समय 312 बेड स्वीकृत था लेकिन अभी तक 210 बेड ही उपलब्ध है। वर्ष 2011-12 में एचआइवी के 627 मरीज पंजीकृत हुए थे जिसमें 323 मरीजों का इलाज हुआ और 64 मरीजों की मौत हो गई। जबकि 165 मरीजों के रेफर और 75 मरीजों का पता नहीं चल सका कि उनका इलाज कहां हुआ। वर्ष 2012-13 में 934 मरीज पंजीकृत हुए जिसमें 421 मरीजों का उपचार हुआ। वर्ष 2017-18 में 877 मरीज पंजीकृत हुए जिसमें 747 मरीजों का इलाज हुआ। वर्ष 2018-19 में 739 मरीज पंजीकृत हुए जिसमें 649 मरीजों का इलाज हुआ और 30 मरीजों को दूसरे शहर में ट्रांसफर किया गया। अप्रैल 2019-20 से एक अप्रैल 2021 तक 850 मरीज पंजीकृत हुए जिसमें 646 मरीजों का उपचार चल रहा है और 12 मरीजों की मौत हो गई, 11 मरीजों का पता नहीं चला और चार मरीजों को ट्रांसफर किया गया। अप्रैल 2020-21 से अप्रैल 2022 तक 900 मरीज पंजीकृत हुए

जिसमें लगभग 750 मरीजों का इलाज चल रहा है। अस्पताल में एचआइवी के लगभग 150 से अधिक मरीज दवा के लिए आते हैं। उनको अलग वार्ड में भर्ती करने की सुविधा उपलब्ध नहीं है। हालांकि मरीज ज्यादा गंभीर है तो उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया जाता है। इस संबंध में एआरटी डिपार्टमेंट के नोडल अधिकारी डा. राजनाथ ने बताया कि स्टाफ नर्स व पैरामेडिकल स्टाफ हैं लेकिन चिकित्सक की तैनाती नहीं है। शासन स्तर से अलग बेड स्थापित नहीं किया गया है। इससे परेशानी होती है। यदि किसी एचआइवी के मरीज को भर्ती करना होता है तो उसे जनरल वार्ड में भर्ती किया जाता है।

डीडीयू-पटना रेल खंड पर दौड़ेगी सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस

जमानियां (गाजीपुर) । अब निकट भविष्य में भारतीय रेलवे के दिल्ली-हावड़ा मेन रेल लाइन के डीडीयू-पटना रेल खंड पर देश की पहली सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस दौडे.गी। इसके लिए पूर्व मध्य रेलवे पटना रूट पर संचालन की तैयारी में तेजी से जुट गई है। रेलवे ट्रैक को हाई स्पीड ट्रेनों के परिचालन के लिए तैयार किया जा रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय से पटना, मोकामा होते हुए झाझा तक का रेलवे ट्रैक घनी आबादी वाले इलाके से होकर गुजरता है। इस वजह से रेलवे ट्रैक पर अमूमन आम लोग या मवेशी ट्रेन की चपेट में आ जाते हैं। पटना से झाझा तक पटरियों को अपग्रेड किया जा रहा है। वहीं दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से झाझा स्टेशन तक रेल पटरी के दोनों ओर कंक्रीट की छह फीट ऊंची दीवार बनाने की तैयारी है। इस रेलखंड पर रेलवे अधिक मजबूत हाई क्वालिटी का स्लीपर लगा रहे हैं। इससे ट्रैक अत्यधिक लोड झेलने में सक्षम हो सकेगा। ट्रैक के दोनों ओर बाउंड्री बनाने के रेलवे 345 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। 130 किमी की रफ्तार से दौड़ती हैं ट्रेनें पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से झाझा तक रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों का अधिकतम स्पीड 130 किलोमीटर प्रति घंटा है। कोविड से पहले ट्रेन के अधिकतम चलने की रफ्तार 110 किलोमीटर प्रति घंटे की थी। ट्रैक और पुलियाओं को चुस्त-दुरुस्त करने के बाद रफ्तार में भी वृद्धि हुई है। लेकिन बंदे भारत एक्सप्रेस 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती है। इसको लेकर ट्रक को एक बार फिर से अपग्रेड किया जा रहा है। रेल बजट में वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की हुई है घोषणा देश में सबसे तेज गति से चलने वाली वंदे भारत ट्रेनों को गया व पटना से दिल्ली के लिए चलाने की तैयारी चल रही है। यह ट्रेन आठ से नौ घंटे में दिल्ली से पटना अथवा गया जंक्शन पहुंच जाएगी। पटना से हावड़ा के लिए भी वंदे भारत ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन 160 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी और इसमें केवल बैठने की ही व्यवस्था होगी। इतना ही नहीं वाराणसी से हावड़ा के लिए वाया गया होकर भी वंदे भारत ट्रेन चलाने की इस बार बजट में घोषणा की गई है।

गंगा में डुबकी लगा मांगा समृद्धि का वरदान

गाजीपुर । लोक आस्था के पर्व सतुआन पर गुरुवार को जिले के प्रमुख गंगा घाटों पर लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। दान-पुण्य कर आम व पुदीने के चटनी के साथ सतुआ खाकर इस त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मानाया। नगर के छोटा महादेवा, बड़ा महादेवा, नवापुरा घाट, ददरीघाट, स्टीमरघाट, चीतनाथघाट, अंजनीघाट सहित अन्य घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ भोर से ही लगी रही। वहीं घाटों पर दुकानदारों ने खिलौने, गुब्बारे आदि की दुकाने लगा रखी थी। श्रद्धालुओं के

साथ आए बच्चों ने खूब खरीदारी की। सतुआ संक्रांति का पर्व श्रद्धापूर्वक मना गहमर (गाजीपुर) : नरवाघाट सहित विभिनन घाटों पर श्रद्धालुओं के आने-जाने वाले वाहनों का रेला लगा रहा। घाटों पर सनन के बाद लोगों ने श्रद्धापूर्वक दान-पुण्य भी किया। कामाख्या धाम मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में भी भीड़ रही। मान्यता के अनुसार सतुआन के दिन ही लोग आम का सेवन करते हैं। जिससे इसकी भारी मांग रही। मूल रूप से यह त्योहार फसलों की कटाई के बाद खुशी का होता है। खानपुर : सूर्य के मीन से मेष राशि में प्रवेश करने पर संक्रांति के मौके पर लोगों ने गंगा गोमती नदियों में सनन के बाद नई फसल कटने की खुशी में सत्तू और कच्चे आम की चटनी का सेवन किया। प्रत्यक्ष देवता भगवान सूर्य की पूजा अर्चना के बाद सत्तू, गुड़, चना, पंखा, जल युक्त मिट्टी का घड़ा, आम का टिकोला, ऋतुफल, नया अनन आदि का दान करने का पुण्य फलदायक विधान है।

धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती,बाबा साहब के कृतित्व पर हुई चर्चा.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़।भारत रतन बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की 131वीं जयन्ती जनपद में बड़े धूमधाम से मनाई गई।कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल,

अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) मुकेश चन्द्र ने बाबा साहब के चित्र पर मार्ल्यापण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। कलेक्ट्रेट में बाबा साहब के चित्र पर मार्ल्यापण करने के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि हमारा संविधान विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की आत्मा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने संविधान बनाते समय समाज के हर वर्ग, हर तबके का ध्यान रखा। भारतीय संविधान में भारत के नागरिक को समान अधिकार मिले है, इसके लिये कई देशों के संविधान को भी अपने देश के संविधान में लिया गया जिसका परिणाम है कि विभिनन जातियों, सम्प्रदायों, भाषाओं आदि की विविधता के बावजूद हमारा देश एक सूत्र में बंध हुआ है। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर सभी अधिकारियों, कर्मचारियों का आवाहन किया कि वे सब संवैधानिक दायरे में रहकर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करें, अगर कोई भी व्यक्ति पात्र है तो उसको आवास का लाभ मिले, राशन का लाभ मिले, बिजली व पानी की सुविधायें मिले, हर लाभ जो उनके जीवन में भारत सरकार या हमारा देश मुहैया कराता है वह सब बिना किसी भेदभाव के हर एक को मिलना चाहिये और वो सोच हमारे अन्दर तभी विकसित होगी जब हम बाबा साहब जैसी महान विभूतियों की सोच को अपने अन्दर धारित करें। बाबा साहब अम्बेडकर एक व्यक्ति ही नही एक सोच है, एक व्यक्तित्व है जिनकी जीवन शैली को अगर हम अपने अन्दर धारित करेगें तो हम देश को विकसित कर सकते है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि हम बाबा साहब की सोच को समझे, उन्होने जो संघर्ष किया उसको समझे और उनके बताये हुये रास्ते पर चले और पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से लाभान्वित करें, यही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद की मदद करें तो निश्चित ही समाज की दशा और दिशा बदल जायेगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) ने कहा कि यदि हम अपने दायित्वों का सम्यक निर्वहन निष्ठा के साथ करें तो निश्चित ही डा0 भीमराव अम्बेडकर जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होने कहा कि हम सबकों मिलकर बाबा साहब के सपने को साकार करने के प्रति काम करना चाहिये जिससे हमारे समाज का सर्वांगीण विकास हो। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के कर्मचारी सहित आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसी प्रकार समस्त तहसीलों व समस्त ब्लाकों में भी डा0 भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया तथा उनके जीवन दर्शन एवं आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान पर चर्चा की गयी। बाबा साहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी की जयन्ती के अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्राइमरी पाठशालाओं, छात्रावासों, राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय एवं प्रधानमंत्री आदर्श ग्रामों में जयन्ती समारोह का आयोजन कर धूम-धाम से मनाया गया तथा बाबा साहेब के विचारों, सिद्धान्तों एवं आदशी के विषय में लोगों को बताया गया।

जे0डब्लू0एस0 सहित पत्रकार सरिता ने सीएम योगी से न्याय के लिए किया फरियाद

महिला पत्रकार सरिता से बदसलूकी मामलें में पुलिस की फर्जी रिपोर्ट आरोपी शुक्ला को बचा रहें हैं विभागीय अधिकारीरू ओम शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया।यूपी सहित देश के कई प्रदेश मे सोशल मीडिया से लगायत इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया के बूते सत्ता मे आई मोदी और योगी की सरकार मे अब पत्रकार सुरक्षित नही रहे

एक तरफ सरकार जहा मीडिया के पत्रकारो का उत्पीड़न रोकने के लिए कई बार तो पहल करने की बात तो की किन्तु वही उनके प्रशासनिक अमले का शिकार पत्रकार होते जा रहे है। एमपी मे तो एक नही पत्रकारो के समूह को ही निर्वस्त्र और नंगा कर फोटो तक वायरल हुए और सरकार ने इस प्रकरण मे चुप्पी साध ली उत्तर–प्रदेश के योगी सरकार ने भले ही बुलडोजर के बूते माफिया और गुंडे पर शिकंजा कसने मे कामयाब हो लेकिन पत्रकारो की निष्पक्ष लेखनी उनके प्रशासनिक अधिकारी को रास नही आ रहा है। दूसरे को न्याय दिलाने के लिए शासन व प्रशासन से लड़ने वाले पत्रकार व सरकार की मंशा के विपरीत कार्य करने मे माहिर कुछ कर्तव्यहिन प्रशासनिक अधिकारी की कारगुजारी को उजागर करने वाले मीडिया कर्मी अब जेल की सलाखों मे कैद होकर बागी बलिया से लगायत विन्ध्याचल की पावन धरती के महिला पत्रकार तक न्याय के लिए खुद भटकती नजर आ रही है बागी बलिया के घटना के उपरांत उत्तर–प्रदेश के मिर्जापुर जिले की महिला पत्रकार सरिता सिंह से रोडवेज के कथित शुक्ला नामक ब्यक्ति द्वारा बदसलूकी मामलें में जर्नलिस्ट वेलफेयर सोसायटी राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ओम शर्मा ने कहा कि रोडवेज के एआरएम हरिशंकर से वार्ता करने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि विभागीय अधिकारी शुक्ला की गलतियों पर पर्दा डालने का प्रयास कर रहें हैं! इस मामलें की जांच कर रहें आइओ की रिर्पोट भी एकपक्षीय हैं। जो पूरी तरह से फर्जी हैं, इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए । अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग कर, न्याय करने के बजाय गलतियों पर पर्दा डाल रहें हैं। की तरफ से इस बाबत मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से यह मांग की जाती हैं कि तत्काल इस मामलें कों संज्ञान में लेकर मनमानी कर रहें अधिकारियों पर उचित कार्यवाई कर नकेल कंसी जाए। इस दौरान महिला पत्रकार सरिता ने सवाल उठाते हुए कहा कि इस मामले के पुलिस जांचकर्ता ने हमारा पक्ष जाना ही नहीं,उन्होंने कब जांच किया, कैसे किया,किस आधार पर किया मुझे इस बात की कोई सूचना नहीं हैं।एक पक्षीय जांच की मनमानी रिपोर्ट कैसे बनी हमने सारे साक्ष्य व्हाट्सएप पर भेज दिये थे जिसकी अनदेखी की गई। मुझको जांच की कोई सूचना न देना हमारे संवैधानिक मौलिक अधिकारों का हनन है।यूपी के तेजस्वी सीएम योगी की सरकार मे क्या पत्रकारो से संबंधित मे अधिकारी जो करना चाहेंगे वह मनमानी करेंगे उत्तर–प्रदेश सरकार के परिवहन विभाग की कर्मियों का बदसलूकी के शिकार हुई पीड़ित महिला पत्रकार सरिता ने कहा कि योगी राज में महिलाओं का हनन हो रहा हैं। मेरा मुख्यमंत्री योगी से विनम्र निवेदन हैं कि जिस तरीके से मेरे साथ हुए दुर्व्यहार प्रकरण में लीपापोती हो रही है।उसकी निष्पक्ष जांच कर मुझे न्याय दिलाया जाए!

अग्नि सेवा दिवस पर याद किए गए बलिदानी फायर कर्मी

आजमगढ़ । अग्निशमन केंद्र आराजीबार ब्रह्मस्थान पर गुरुवार की सुबह अगिन्शमन सेवा स्मृति दिवस मनाया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सिद्धार्थ ने 1944 में मुंबई बंदरगाह पर घटित भीषण अगिन्कांड में कार्य करते समय वीर गति को प्राप्त 66 जवानों को नमन करते हुए अशोक चक्र पुष्प चढ़ाकर

श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी याद में अग्निशमन का ध्वज भी फहराया गया। इस दौरान आग से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए आम नागरिकों को जागरूक करने के लिए अग्निशमन सुरक्षा सेवा सप्ताह दिवस पर कार्यक्रमों की चर्चा की गई। कहा कि आग से बचाव की जानकारी हर व्यक्ति को होनी चाहिए। आग से क्षति की पूर्ति असंभव है। पोलियो, एड्स और कैंसर से बचाव की तरह इसका भी प्रचार-प्रसार होना चाहिए। आम शिक्षित नागरिकों को फायर सर्विस कर्मचारियों से कंधे से कंधा मिलाकर प्रचार-प्रसार करना चाहिए और अग्नि निरोधक उपाय अपनाना चाहिए। कहा कि आग से होने वाले नुकसान को लेकर आम लोगों को जागरूक करने के लिए अगिन्शमन सुरक्षा सेवा सप्ताह शुरू किया गया है। इसके तहत सप्ताह भर रैली, पंफलेट, गोष्ठी तथा विविध कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। सीएफओ सत्येंद्र पांडेय ने बताया कि सप्ताहभर प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को आग से बचने के उपायों के बारे में जागरूक किया जाएगा। अगिन्शमन विभाग की तरफ से 14 से 20 अप्रैल तक आयोजित अगिन् सुरक्षा सेवा सप्ताह का ब्रह्म स्थान स्थित फायर ब्रिगेड कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर एसपी ग्रामीण सिद्धार्थ व सीएफओ सत्येंद्र पांडेय ने रवाना किया। कहा कि रैली के माध्यम से लोगों को आग के प्रति जागरूक किया जाएगा। ऐसे बरतें सतर्कता बिस्तर पर लेटकर ध्रूमपान न करें। खलिहान, तालाब या पानी के स्त्रोत के निकट लगाएं। बिजली के तार नीचे व ट्रांसफार्मर के नजदीक खलिहान न लगाएं। चूल्हे की जलती बीच लकड़ी को बुझाकर अलग रखें, गर्म राख को ठंडा कर गड्ढे में फेंके। सूखे तालाबों में पानी भरकर रखें ताकि अगलगी में प्रयोग हो सकें। ट्रैक्टर के साइलेंसर में चिगारी रोधक यंत्र लगाकर मड़ाई करें। छोटे बच्चों को खाना बनाते समय रसोई में न जाने दें। जानवरों को लोहे की जंजीर में न बांधें, केवल रस्सी का प्रयोग करें। शरीर में आग लगने पर भागे नहीं, जमीन पर लेटकर दोनों हाथों से चेहरे को ढंक लें। इसके बाद मंद गति से लुढ़किए आग बुझ जाएगी। हवा चलने पर फूस को न जलाएं। रात्रि में सोने से पहले गैस सिलेंडर का वाल्व बंद करना न भूलें। एक ही कमरे में गैस का चूल्हा, अंगीठी और बिजली का स्टोव मत जलाइए। गैस सिलेंडर को सदैव खड़ा रखिए।

अगलगी की घटनाओं पर बेबस हो जाता अग्निशमन विभाग

आजमगढ़। गर्मी में आग की घटनाएं बढ़ गई है। आग की घटनाओं पर अक्सर अगिन्शमन विभाग बेबस हो जाता है। इसके चलते आग में सबकुछ राख होने के बाद ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचती हैं। एक से अधिक जगहों पर आग लगने पर मैन पावर के अभाव में

परेशानी बढ़ जाती है वर्ष 2021 में आग की 414 घटनाएं हुई थी। इसमें 3.16 करोड़ का नुकसान हुआ था। वहीं 16 करोड़ की संपत्ति बचाई गई थी। आग की इन कई घटनाओं पर पहुंचने के बाद फायर ब्रिगेड के जवान असहाय नजर आए थे। जवानों ने पांच लोगों को जीवित बचाने में कामयाब भी हुए थे। वर्ष 2022 में अब तक आग की आग की 47 घटनाएं हुई है। जिसमें 48, 48,500 की क्षति हुई है। इस दौरान 1.90 करोड़ रुपये की संपत्ति को जवानों बचाया है। जिले में आठ तहसील में पांच में फायर स्टेशन स्थापित हो गया है। इसमें सदर तहसील में ब्रह्म स्थान, लालगंज, बूढ़नपुर, सगड़ी व मार्टिनगंज में फायर स्टेशन क्रियाशील है। इसमें मार्टिनगंज तहसील के सुरहन में अग्निशमन केंद्र की वर्चुअल लोकार्पण मुख्यमंत्री ने चार जनवरी को किया था। यहां भी मानक के अनुरूप कर्मचारी व संसाधन की तैनाती कर दी गई है। वाटर-वाउजर एक, फोम टेंडर एक, मोटर फायर इंजन छह, बोलेरो कैंपर तीन, मिनी वाटर टेंडर विथ हाई प्रेशर पंप 400 लीटर चार, पोर्टेबुल पंप सात। सीएफओ एक, एफएसओ के पांच पद-कोई तैनाती नहीं, एफएसएसओ नौ, एफएस चालक छह व फायरमैन 27 हैं। आग की घटनाओं पर तत्काल पहुंचने का प्रयास होता है। गांव स्तर पर लोगों को पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। जिससे जवानों को बुझाने में दिक्कत न हो। मैन पावर व संसाधन के शासन को पत्र भेजा गया है।'

अब इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर उपलब्ध कराएंगे शव वाहन

बलिया । चिलकहर क्षेत्र के अंदौर गांव के निवासी सुकुल प्रजापति अपनी पतने जोनिया देवी को ठेले पर इलाज के लिए ले जा रहे थे। उनका फोटो वायरल होने पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कड़ा रुख अख्तियार किया। मामले की जांच में स्वास्थ्य विभाग के आठ लोगों पर आरोप तय किए गए है। महिला की मौत के बाद जिला अस्पताल से शव वाहन नहीं मिलने का प्रकरण भी शामिल है। घटना से सबक लेते हुए जिला अस्पताल में शव वाहन की व्यवस्था में बदलाव किया गया है। अब भर्ती मरीज की मौत के बाद किसी भी स्वजन को शव वाहन के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। अस्पताल प्रशासन जरूरतमंद को निश्शुल्क शव वाहन उपलब्ध करवाएगा। रात नौ से सुबह आठ बजे तक शव वाहन की आवश्यकता होने पर इमरजेंसी में ड्यूटी पर तैनात आपातकालीन मेडिकल आफिसर (ईएमओ) चालक

को फोन कर शव वाहन उपलब्ध कराएंगे। सभी चालकों का नाम और मोबाइल नंबर उपलब्ध करवा दिया गया है। इससे पहले अस्पताल में शव वाहन के लिए स्वजन को इमरजेंसी के बाहर लिखे शव वाहन प्रभारी को फोन करना पड़ता था, लेकिन वाहन के आने में काफी विलंब होता था। कई बार संबंधित नंबर पर बात भी नहीं हो पाती थी। स्ट्रैचर उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी भी फार्मासिस्ट को सौंपी गई है। अगर स्वजन वार्ड में ले जाकर स्ट्रैचर छोड़ देते है तो फार्मासिस्ट चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से स्ट्रैचर मंगवार रखवाएंगे। व्यवस्था से मरीजों के स्वजनों को भी सहूलियत होगी। अस्पताल में इलाज के दौरान मरीज की मौत होने पर स्वजन की मांग पर शव वाहन उपलब्ध करवाया जाता है। रात में कार्यालय बंद होने पर स्वजन को परेशानी नहीं हो, इसके लिए वह इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक को सूचित करने पर वह वाहन उपलब्ध कराएंगे। स्ट्रैचर की जिम्मेदारी फार्मासिस्ट को सौंपी गई है।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महावीर जयंती

(आधुनिक समाचार सेव)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला(सोनभद्र) डाला नवनिर्माण सेना के तत्वावधान में गुरुवार शाम इंडियन बैंक परिसर में धूम धाम

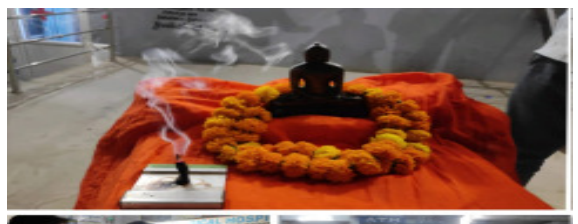

से भगवान महावीर स्वामी की जयंती मनाई गई। इस दौरान जैन समाज से युवा समाजसेवी विकास जैन ने सभी विधि विधान से भगवान महावीर स्वामी की पूजा अर्चना की। इसके उपरांत वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए विकास जैन ने कहा कि जैन धर्म के 24वें तीर्थकर भगवान महावीर स्वामी जी ने सम्पूर्ण मानवता को समस्त प्राणिमात्र के प्रति प्रेम,करुणा और सहिष्णुता का पाठ पढ़ाया और सर्वसमाज को अहिंसा व जीवप्रेम की राह दिखाई। इस दौरान पूरा परिसर नमोकार मंत्र व जय जिनेंद्र के नारों से गूंजता रहा। इस दौरान डाला नवनिर्माण सेना के संरक्षक छात्र संघ के पूर्व महामंत्री अनिकेत श्रीवास्तव,अध्यक्ष अंशु पटेल,समाजसेवी सुधीर सिंह,प्रशांत कुमार पाल,श्रीकांत पांडे ,अवनीश पांडे ,अमित सिंह,राकेश जायसवाल,राकेश पासवान,प्रकाश चौधरी,विशाल सिंह,शुभम विश्वकर्मा,विक्की पाल,बाबू खान,आदि मौजूद रहे।

पत्नी ने लाठी से पीटकर की पति की हत्या

बभनी (सोनभद्र) । थाना क्षेत्र के महलपुर गांव में गुरुवार की भोर में एक महिला ने ससुराल में रह रहे अपने पति की लाठी से पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद वह महुआ बीनने चली गई। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्र व सीओ आशीष मिश्रा ने घटना स्थल का निरीक्षण किय महलपुर गांव निवासी शिवचरन (57) का गुरुवार की भोर में करीब चार बजे उसकी पत्नी हलकनिया देवी से महुआ बीनने को लेकर विवाद हो गया। शिवचरन उसे रोक रहा था, लेकिन वह जाने की जिद कर रही थी। इसे लेकर मामला बढ़ा तो आक्रोशित पत्नी ने पति के सिर पर लाठी से हमला कर दिया। इससे उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया और कमरे के बाहर चारपाई पर लुढ़क गया। इसके बाद वह महुआ बीनने चली गई। सुबह करीब 10 बजे हलकनिया की मां मवेशियों को चराने के लिए निकली, तब उसने देखा कि शिवचरन चारपाई पर पड़ा हुआ है और उसके शरीर में किसी तरह की हरकत नहीं हो रही थी। ऐसे में उसने अपने पुत्र जगजीवन को मामले की जानकारी दी। जगजीवन मौके पर पहुंचा तो देखा कि शिवचरन मृत अवस्था में पड़ा है। इस पर उसने मामले की जानकारी ग्राम प्रधान को दी। फिर ग्राम प्रधान ने पुलिस को घटना से अवगत कराया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे

में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया। घटना की सूचना पर एएसपी विजय शंकर मिश्र व सीओ आशीष मिश्रा ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। इस संबंध में सीओ आशीष ने बताया कि महुआ बीनने के विवाद में पत्नी ने पति पर लाठी से हमला कर दिया और गुस्से में घर से बाहर निकल गई। उस वक्त उसे पता नहीं था कि लाठी के हमले से उसके पति की मौत हो गई है। शिवचरन मूल रूप से छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के रघुनाथपुर थाना के पड़री गांव का मूल निवासी था। वह 35 साल से ससुराल में रह रहा था। मौके पर लोगों की भीड़ लगी रही। मृतक के भाई के पुत्र राम सिंह की तहरीर पर हलकनिया देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

हीटवेव की चपेट में सोनांचल, झुलस रहे लोग

सोनभद्र । तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी के कारण पूरा सोनांचल इस समय हीटवेव की चपेट में आ गया है। लगातार चल रही गर्म हवाओं के कारण दिन में लोगों

का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। दिन में तपिश के कारण सड़कें सूनी हो जा रही हैं। देर शाम तक गर्म हवाएं चलने से गर्मी भी बढ़ गई है। सोनांचल में तपिश ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। पूरे दिन तपिश और गर्म हवाएं चलने से लोग घरों में ही कैद रह रहे हैं। मौसम विभाग के राजन सिंह के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री दर्ज किया गया। बुधवार की सुबह सात बजे ही तेज धूप निकल गई। नौ बजे के बाद गर्म हवाएं भी चलने लगी। सुबह 10 बजे के बाद तेज धूप के साथ गर्म हवाएं भी चलने लगी। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण सड़कों पर लोगों का आवागमन धीरे-धीरे कम होने लगा। दोपहर 12 बजे के बाद धूप का हाल यह रहा कि मानो आसमान से आग बरस रही हो। दोपहर में तेज धूप व गर्म हवाओं से बचने के लिए लोग अपने-अपने घरों में कैद हो गए। वहीं जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज में बढ़ौली चौक, धर्मशाला चौक के पास फ्लाईओवर के नीचे लोगों को धूप से बचने के लिए खडे देखा गया। तेज धूप के कारण देर शाम तक गर्म हवाएं चलती रही। रात आठ बजे तक गर्म हवाएं चलने से गर्मी बढ़ गई। बता दें कि तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण सोनांचल हीटवेव की चपेट में आ गया है। हीटवेव के कारण लोग सिर दर्द, उल्टी-दस्त के शिकार होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। हालांकि जिला प्रशासन ने पहले ही लोगों को सचेत किया है कि अगर जरूरी हो तभी दिन में घर से बाहर निकले। दिन में घर से बाहर निकलने पर खून पानी पीएं, सिर को गमछे से ढंककर ही बाहर निकलें।

13 उपनिरीक्षकों का हुआ गैर जनपद तबादला, देखें सूची

(आधुनिक समाचार सेव)
संतोष सिंह सोनभद्र

सोनभद्र । एमएलसी चुनाव बीतने के तत्काल बाद पुलिस उपमहानिरीक्षक रामकृष्ण भारद्वाज ने बड़े पैमाने पर उपनिरीक्षकों का तबादला किया है। उन्होंने वहीं जिले

में वर्षों से पैर जमाए 13 उपिनरीक्षकों को दूसरे जिले में भेजा गया है। सभी 13 उपनिरीक्षकों को मिर्जापुर जिले में भेजा गया है तथा मिर्जापुर से 18 उपनिरीक्षकों को सोनभद्र में नवीन तैनाती दी गयी है। पुलिस उपमहानिरीक्षक ने सभी को तत्काल नए तैनाती वाले स्थलों पर कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश दिया है दर्जनो दरोगा का हुआ गैर जनपद तबादल करमा थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह का हुआ मिर्जापुर तबादला लिलासी चौकी इंचार्ज कुमार संतोष का हुआ मिर्जापुर तबादला ओबरा कस्बा चौकी इंचार्ज राकेश राय का हुआ मिर्जापुर तबादला टीएसआइ राजेश सिंह का हुआ मिर्जापुर तबादला दरोगा बजरंगबली चौबे का हुआ मिर्जापुर तबादला दरोगा के जी राय का हुआ मिर्जापुर तबादला दरोगा बलिराम यादव का हुआ मिर्जापुर तबादला दरोगा हरिशंकर यादव का हुआ मिर्जापुर तबादला।

शिवा एकेडमी सुकृत के बच्चों द्वारा ठस्कूल चलो अभियानठ रैली निकालकर किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

सोनभद्र । भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना सर्व शिक्षा अभियानठ के क्रम में आज दिनांक 13 अप्रैल 2022 को जनपद सोनभद्र के कर्मा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा सुकृत में स्थित मान्यता प्राप्त (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय शिवा एकेडमी के बच्चों द्वारा प्रधानाचार्य गौतम विश्वकर्मा के नेतृत्व में स्कूल चलो अभियान जागरूकता रैली निकाली गई। यह अभियान ग्रामीणों व ड्राप्ट आउट बच्चों को जागरूक करने के लिए निकाला गया। तथा बच्चों द्वारा नारा भी लगाया गया कि- आधी रोटी खाएंगे, बच्चों को पढ़ाएंगे, सब पढ़ें- सब बढ़ें। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य गौतम विश्वकर्मा जी द्वारा ग्रामीणों को समझाया गया कि लड़का हो या लड़की सभी को शिक्षित होना बहुत जरुरी है, दोनों का समान अधिकार है। कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए। नया सत्र शुरू हो चुका है, इस लिए उन्होंने लोगों से बच्चों का शत- प्रतिशत नामांकन कराने की अपील की। इस मौके पर प्रधानाध्यापक के अलावा सहायक अध्यापक अरुण कुमार गुप्ता की रिपोर्ट, अभिषेक कुमार मौर्य, अनिल कुमार, दीपक प्रजापति, राजेश, श्रीवृष्णा पाठक, सहायक अध्यापिका कृति पाठक, सावित्री तथा स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

पारा 40 के पार, बदन में चुभन का अहसास करा रहीं सूरज की तेज किरणें

मीरजापुर । भीषण गर्मी के तल्ख तेवर बरकरार है। सूर्यदेव के प्रकोप ने लोग परेशान हैं। दिन चढ़ने के साथ ही भीषण गर्मी का सितम शुरू

हो जा रहा है। दोपहर में तो गर्मी का असर अपने चरम पर है। गर्मी से बचने के लिए लोग तरह-तरह के जतन करते दिखाई दे रहे हैं। मौसम का मिजाज मार्च से ही गड़बड़ाने लगा। अप्रैल का महीना अभी आधा भी नहीं बीता और तापमान 40 के पार हो चुका है। पारा में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। मौसम के तल्ख तेवर से शहर के मुख्य चौराहों व सार्वजनिक रास्तों पर आवाजाही कम हो गई है। सड़कों पर सननटा पसरा है। गुरुवार को अधिकतम पारा 41 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह से ही गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए। सूरज की गर्म किरणें बदन में चुभने लगी। तपिश से आम जनमानस बेहाल नजर आ रहा है। सूरज की तेज किरण व उमस की मार से हर कोई परेशान नजर आ रहा है। गर्मी के तल्ख तेवर ने जीना मुहाल कर दिया है। पंखे व कूलर भी गर्मी के सितम से राहत पहुंचाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। देर शाम तक गर्मी के तेवर बरकरार हैं। लोगों का बदन पसीने से तरबतर हो जा रहा है। गर्मी से बेहाल हीरालाल, समीर दुबे व प्रदीप केशरवानी यह दावा करते नहीं थक रहे कि ऐसी गर्मी इससे पहले नहीं देखी। दिन ही नहीं, रात के तापमान में भी वृद्धि हुई है। जो तापमान मई के अंत में महसूस होता था, वह अभी महसूस हो रहा है। डीएसटी महामना जलवायु परिवर्तन केंद्र के समन्वयक एवं ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बीएचयू वाराणसी के नोडल अधिकारी प्रो. आरके मल्ल व तकनीकी अधिकारी शिव मंगल सिंह के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। गर्मी से राहत मिलने के आसार फिलहाल नहीं हैं।

महावीर जंयती पर निकली शोभायात्रा, श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित.....

सोनभद्र । जनपद मुख्यालय पर जैन समाज द्वारा भगवान श्री महावीर की जयंती का कार्यक्रम

धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर भगवान श्री महावीर की प्रतिमा का पूजन-अर्चन करने के बाद जैन बंधुओं एवं समाज के अन्य लोगों ने शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा जैन साधना भवन से शुरू होकर नगर भ्रमण करने के बाद पुनः जैन भवन पर पहुंच कर समाप्त हुई, जहां पर सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। श्री भगवान महावीर के जीवन और उनके आदर्शों के विषय में बताया गया। समारोह को संबोधित करते हुए जैन समाज के अध्यक्ष पवन जैन ने कहा कि 12 साल की कठिन तपस्या के बाद भगवान महावीर को ज्ञान प्राप्त हुआ और 72 वर्ष की आयु में उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई। हर्ष अग्रवाल ने कहा कि जैन धर्म के 24वें तीर्थकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है। तीर्थकर महावीर स्वामी ने अहिसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया था। भगवान महावीर ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनियां को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया। कहा कि लाभ के साथ-साथ लालच बढ़ता जाता है। जो दो ग्राम सोने से पूर्ण किया जा सकता है, वो दस लाख से नहीं किया जा सकता। जीतने पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए और न ही हारने पर दुख होना चाहिए। जिसने भय को जीत लिया, वो ही समभाव को अनुभव कर सकता है। कार्यक्रम का संचालन रामेश्वर जैन ने किया। इस दौरान ऊषा जैन, निर्मला जैन, अंजली, रितु, लक्ष्मी, रीना जैन, सुमन, पुष्पा, धर्मराज जैन, संजय, पवन, नीरज, विमल जालान रोहित आदि शामिल थे।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के जन्म जयन्ती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने सामाजिक समरसता संगोष्ठि के रुप में कार्यक्रम का आयोजन किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
संतोष सिंह

सोनभद्र । संगोष्ठि में बतौर मुख्यअतिथि के रुप में काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव व क्षेत्रीय महामंत्री अशोक चौरसिया जी मौजूद रहे। संगोष्ठि का शुभारंम्भ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव व क्षेत्रीय महामंत्री अशोक चौरसिया जी ने पुष्प अर्पित कर किया। संगोष्ठि की अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्य व संचालन जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता ने किया। संगोष्ठि को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी ने जिस पथ पर चलने का सपना देखा था आज भारतीय जनता पार्टी उस पथ पर चल रही है बाबा साहब की सोच थी की पूरे देश मे सामाजिक समरसता आर्थिक समरसता व लोगो मे सद्भाव बना रहे तभी देश की उनन्ती संभव है जब वो कानून मंत्री थे तभी उन्होने लाये गये धारा 370 का जमकर विरोध किया था उन्होने सदन मे कहा कि कश्मीर अपने देश का अभिन्न हिस्सा है इसको धारा 370 जैसे बेडियो में डालकर देश से अलग करना बहुत ही अनुचित कदम है देश का संविधान बन रहा था तब उनकी सोच थी की इस देश के वे सभी नागरिक जो किसी भी जाति या पंथ के हो उनका जीवन समानरुप से हो इसके लिए उन्होने एक फैक्ट्री एक्ट भी बनाया था। बाबा साहब के पाथेय को उनके सिद्धांत को जिसकी परिकल्पना थी अन्त्योदय, आज बाबा साहब केनाम पर तमाम राजनीतिक दल अपनी रोटी सेंकते है और उनके अन्त्योदय को ध्यान मे रखकर कई योजनाएं केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कि जा रही है जैसे गरीब आवास योजना, गरीब अन्न योजना, गरीब स्वास्थ्य योजना या हर घर

सिद्धांतो उनकी परिकल्पना को भूल जाते है लेकिन आज भारतीय जनता पार्टी की मोदी जी की सरकार द्वारा नल योजना, यह सब अन्त्योदय को साकार करने की सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। जो आज बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयन्ती पर आप सबके सहयोग से अथक परिश्रम से आदरणीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दी जा रही सच्ची श्रद्धांजलि है। संगोष्ठि को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी/क्षेत्रीय महामंत्री अशोक चौरसिया जी ने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर जी के जीवन का जो उद्देश्य था वही हमारे संगठन के मुखिया पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की भी परिकल्पना थी जिसमें अन्त्योदय का विकास प्रमुख था। समाज के उन लोगो को विकास की मुख्यधारा में जोडा जाय हर उस अंतिम व्यक्ति तक सरकार की हर योजना पहुंचे आज ऐसा प्रयास हमारी पार्टी की सरकारों ने लगातार किया है। जिससे उस अंतिम व्यक्ति के जीवन मे मूलभूत परिवर्तन देखने को मिलता है इसलिए यह माना जाता है कि जब तक अंतिम व्यक्ति का विकास नही होगा तब तक भारत विश्व गुरु नही बन सकता। संगोष्ठि मे मुख्यरुप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्य, अनुसूचित आयोग के उपाध्यक्ष रामनरेश पासवान, घोरावल के विधायक अनिल कुमार मौर्य, दुद्धी विधायक रामदुलारे गोंड, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा, धर्मवीर तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल, गोविन्द यादव, सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावम, आलोक सिंह, लीला देवी गोंड, प्राणमती देवी, शिवकुमार गुप्ता, अशोक मौर्य, रामसुन्दर निषाद, कृष्णमुरारी गुप्ता, अमरनाथ पटेल, जीत सिंह खरवार, गोपाल सिंह, जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी, संतोश शुक्ला, कमलेश चौबे, बृजेश श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव,विनय श्रीवास्तव, दयाशंकर पाण्डेय, राजेश मिश्रा, पुष्पा सिंह, संतोष सिंह,नार सिंह पटेल, गुडिया तिवारी, सोनी विश्वकर्मा, मंजू गिरी, मनीशा राय, कैलास बैसवार, सहित सैकडो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उठने लगे सवाल तो सक्रिय हुआ प्रशासन

विध्याचल (मीरजापुर) । विश्व प्रसिद्ध मां विध्यवासिनी धाम आने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा

व्यवस्था को लेकर जब सवाल उठने लगे तो प्रशासन सक्रिय हुआ और विध्यधाम आने वाले दर्शनार्थियों को कोई असुविधा न हो, इसके लिए तैयारी करने में जुट गया। हालांकि सफाई व्यवस्था पर भी ध्यान देने की जरूरत है। ने 14 अप्रैल को पेज नंबर आठ पर पूर्णिमा तक के लिए हुई थी तैयारी, नवरात्र बाद ही सामान समेटा शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। दर्शनार्थियों की सुविधा को लेकर विध्य विकास परिषद पर भी सवाल उठने लगे थे। कहा जाने लगा कि विध्यवासिनी मंदिर के दानपात्र से सवा करोड़ रुपये प्रतिवर्ष निकलता है, जो विध्य विकास परिषद के खाते में जमा होता है। ये पैसे विध्यधाम के विकास व दर्शनार्थियों की सुविधा पर खर्च किए जाने चाहिए, ऐसा नियम है। इसके बाद भी दर्शनार्थियों की सुविधा को लेकर कोई ठोस प्रबंध नहीं किया जा रहा है।गुरुवार को विध्यवासिनी मंदिर पर महाकाली से सामने से लेकर दानपात्र के पास तक स्टील का रेलिग लगाया गया। पक्का घाट पर बैरिकेडिग की गई लेकिन अखाड़ा घाट व दीवान घाट पर भी बैरिकेडिग की जरुरत है।

संजू सैमसन ने की हार्दिक की तारीफ कहा आज उनका दिन था, बताया क्यों नहीं खेले बोल्ट

नई दिल्ली। गुजरात के खिलाफ मिली हार के बाद राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने हार्दिक पांड्या की तारीफ की है। इस मैच में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते

हुए हार्दिक पांड्या के नाबाद 87 रनों की पारी की बदौलत राजस्थान के सामने 193 रनों का लक्ष्य रखा था लेकिन टीम केवल 155 रन ही बना सकी और 37 रन से मैच हार गई। जोस बटलर ने 54 और हेटमायर ने 29 रनों की पारी खेली। ये गुजरात की 5 मैचों में चौथी जीत थी और इस जीत के साथ वो प्वाइंट्स टेबल में टाप पर पहुंच गई है। मैच के बाद संजू सैमसन ने हार्दिक की तारीफ की। उन्होंने कहा हार्दिक ने शानदार बल्लेबाजी की जिसकी बदौलत गुजरात इस स्कोर तक पहुंच सका। यदि हम विकेट हाथ में रखते तो इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता था। हम रन रेट में उनसे आगे थे लेकिन लगातार विकेट गंवाने के कारण पीछे हो गए ट्रेंट बोल्ट गुजरात के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे जिसकी कमी राजस्थान को खूब खली। उनके न खेलने पर कप्तान ने कहा कि उन्हें ट्रेनिंग के दौरान थोड़ी सी चोट लगी थी लेकिन वे जल्द वापसी करेंगे। बोल्ट के बदले युवा गेंदबाज यश दयाल को मौका मिला था जिन्होंने 3 विकेट झटके। अपनी बल्लेबाजी क्रम को लेकर कप्तान ने कहा कि पिछले सीजन से वे 3 नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं और टीम की जरुरत के अनुसार वे चार या पांच नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। उन्होंने कहा हम इस लीग में कई सालों से खेल रहे हैं। हर मैच महत्वपूर्ण होता है। जरूरी है सीखना और अगले मैच में वापसी करना उन्होंने युवा गेंदबाज और पहली बार आइपीएल खेल रहे यश दयाल की तारीफ की जिन्होंने गुजरात के खिलाफ तीन विकेट झटके।

टिम साउथी 2021 के लिए चुने गए न्यूजीलैंड के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर सर रिचर्ड हैडली पदक से नवाजा गया

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेज टीम के तेज गेंदबाज टिम साउथी को गुरुवार को सर रिचर्ड हैडली पदक से नवाजा गया, जो कैलेंडर वर्ष में शानदार प्रदर्शन करने के लिए देश के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर को दिया

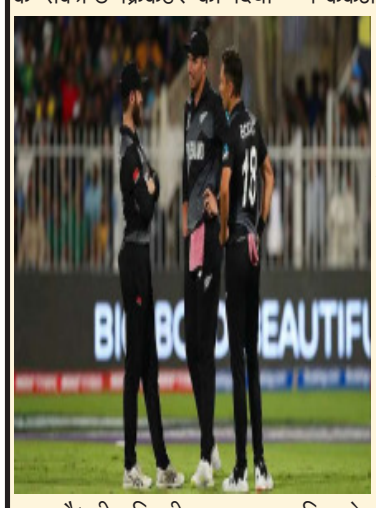

जाता है। तीन दिवसीय पुरस्कार समारोह के अंतिम दिन साउथी के अलावा पेन किनसेला को बर्ट सटक्लिफ पदक दिया गया, जबकि डेवोन कोन्वे को साल का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर चुना गया। साल की सर्वश्रेष्ठ घरेलू महिला क्रिकेटर का पुरस्कार नेंसी पटेल को मिला, जबकि सर्वश्रेष्ठ घरेलू पुरुष क्रिकेटर का पुरस्कार संयुक्त रूप से टाम ब्रूस और राबी ओडोनेल को दिया गया। मौजूदा आइपीएल में केकेआर का प्रतिनिधित्व कर रहे 33 साल के साउथी को 2021 में स्वदेश और विदेश दोनों जगह टेस्ट और सीमित ओवरों के प्रारूप में शानदार प्रदर्शन के लिए साल का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया। साउथी ने पिछले साल 23.88 के औसत से 36 टेस्ट विकेट चटकाए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ला?र्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 43 रन देकर छह विकेट चटकाना रहा। उन्होंने भारत के खिलाफ साउथैंप्टन में आइसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में टीम की खिताबी जीत के दौरान भी पांच विकेट हासिल किए। साउथी के नाम 338 टेस्ट विकेट दर्ज हैं जो देश के सबसे सफल टेस्ट गेंदबाज हैडली से 93 विकेट कम हैं।

हैदराबाद के सामने होगी कोलकाता की चुनौती, वाशिंगटन सुंदर रहेंगे मैच से बाहर

मुंबई। जीत की लय में वापसी करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद को वाशिंगटन सुंदर की चोट के कारण शुक्रवार को कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आइपीएल मैच के लिए अपने सफलता हासिल करने वाले संयोजन में बदलाव करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। टूर्नामेंट

में धीमी शुरुआत के बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार जीत हासिल की और अब केन विलियमसन की अगुआई वाली टीम जीत की हैट्रिक पूरी करने की कोशिश में लगी है। हालांकि टीम के अहम खिलाड़ी वाशिंगटन इस मैच में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करते हुए उनके गेंदबाजी करने वाले हाथ में चोट लग गई थी। वाशिंगटन टीम में दोहरी भूमिकाएं निभाते हैं, वह अपनी स्पिन गेंदबाजी से बल्लेबाजों को रोकने के साथ बल्लेबाजी में कुछ रन जोड़ने में भी मदद करते हैं। उन्होंने अभी तक इस सत्र में चार विकेट झटके हैं और एक अर्धशतक भी लगाया है। कोच टाम मूडी ने स्पष्ट किया है कि वह कम से कम दो मैचों में उपलब्ध नहीं होंगे लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि अंतिम एकादश में इस आलराउंडर की जगह कौन लेता है। हैदराबाद के पास श्रेयस गोपाल और जगदीश सुचित के रूप में स्पिन विभाग में दो विकल्प हैं या फिर वे अब्दुल समद को भी एक और मौका दे सकते हैं जो पहले दो मैच में इतना अच्छा नहीं कर पाए थे। हैदराबाद को सबसे ज्यादा परेशानी बल्लेबाजी में हो रही है क्योंकि टीम पहले दो मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए विफल रही। टीम ने इस समस्या का निदान सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और विलियमसन की बदौलत किया, जिन्होंने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की है। अभिषेक ने पिछले दो मैचों में 75 और 42 रन की मैच विजयी पारियां खेलीं, जबकि विलियमसन ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 32 और 57 रन बनाए। गुजरात के खिलाफ राहुल त्रिपाठी अच्छा खेल रहे थे लेकिन उन्हें मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा और उनकी उपलब्धता भी टीम के लिए अहम होगी। त्रिपाठी की अनुपस्थिति में निकोलस पूरन और एडेन मार्करैम ने गुजरात के खिलाफ उनकी कमी पूरी की और अब टीम उम्मीद करेगी कि वे इसी निरंतरता को कायम रखते हुए मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभाले। गेंदबाजी में माकी जेनसेन ने पिछले दो मैचों में एक-एक विकेट चटकाए, जबकि उनके साथी तेज गेंदबाज टी नटराजन और भुवनेश्वर कुमार ने भी अहम विकेट चटकाकर योगदान दिया। वहीं केकेआर इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार के बाद खेलेगी, लेकिन टीम काफी मजबूत है और वह पिछले मैच की हार से वापसी करना चाहेगी। श्रेयस अय्यर एंड कंपनी दिल्ली के डेविड वार्नर और पृथ्वी शा वाले मजबूत बल्लेबाजी क्रम के सामने टिक नहीं सकी, जिसके आगे उनका मजबूत गेंदबाजी आक्रमण भी धारहीन दिखा। उमेश यादव को इस सत्र में पहली बार खराब दिन का सामना करना पड़ा, क्योंकि उन्होंने एक विकेट के लिए 48 रन गंवाए। ऐसा ही पैट कमिंस के साथ हुआ और इस आस्ट्रेलियाई कप्तान ने अपने चार ओवर में 51 रन लुटा दिए। वरुण चक्रवर्ती और आंद्रे रसेल ने अपने स्पैल में क्रमशः 44 और 16 रन दिए। पिछले मैच में अय्यर ने रन जुटाने की जिम्मेदारी उठाते हुए 54 रन बनाए, लेकिन सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे की खराब फार्म केकेआर के लिए चिंता का विषय है। वेंकटेश अय्यर भी धमाल नहीं कर सके हैं और अभी तक पांच पारियों में उन्होंने महज एक अर्धशतक लगाया है।

हैदराबाद के सामने ये हो सकती है कोलकाता की प्लेइंग इलेवन, इन दो खिलाडियों को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली। हैदराबाद की टीम के सामने कोलकाता पिछले मैच में हुई गलतियों को सुधार करने की कोशिश करेगा। इस मैच में एरान फिंच वापसी कर सकते हैं जिसका मतलब है कि अजिंक्य रहाणे को बाहर बैठना पड़ सकता है। पहले मैच के बाद उनके बल्ले से रन नहीं निकले हैं। वेंकटेश अय्यर के बल्ले

से लगातार रन निकले हैं और फिंच के आने से केकेआर की ओपनिंग जोड़ी पहले से ज्यादा स्ट्रोंग नजर आ रही है। पिछले मैच में कप्तान और नीतीश के अलावा कोई भी बल्लेबाज चल नहीं पाया था। इसलिए इस मैच में कोलकाता अपनी बल्लेबाजी में गहराई लाने की कोशिश करेगा। रिंकू सिंह को अंतिम ग्यारह में रसिक सलाम की जगह शामिल किया जा सकता है कोलकाता की ओपनिंग जोड़ी- इस मैच में ये जोड़ी बदल सकती है और पहली बार वेंकटेश के साथ एरान फिंच पारी की शुरुआत कर सकते हैं। फिंच पाकिस्तान दौरे से लौटे हैं और वहां उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। उनसे उसी प्रदर्शन को यहां भी जारी रखने की उम्मीद होगी जिससे टीम को एक अच्छी शुरुआत मिल सके। कोलकाता का मध्यक्रम- पिछले मैच में कप्तान श्रेयस अय्यर के बल्ले से रन निकलना टीम के लिए शुभ संकेत है। उनके अलाला नीतीश राणा, शेल्डन जैक्सन, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह के कंधे पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। रिंकू बड़े हिट लगाने के लिए जाने जाते हैं। मुंबई के खिलाफ कमिंस की पारी ने उनसे भी उम्मीदें बढ़ा दी है। कमिंस ने मुंबई के खिलाफ 15 गेंदों पर 56 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। कोलकाता की गेंदबाजी- पैट कमिंस और उमेश यादव के रूप में दो बेहतरीन तेज गेंदबाज टीम में मौजूद हैं। स्पिन के रूप में टीम के पास सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती के तौर पर दो मिस्ट्री गेंदबाज उपलब्ध है जो एक ओवर में मैट पलट सकते हैं। वेंकटेश अय्यर, एरान फिंच, श्रेयस अय्यर(कप्तान), नीतीश राणा, आंद्रे रसेल, शेल्डन जैक्सन(विकेटकीपर), रिंकू सिंह, पैट कमिंस, सुनील नरेन, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती।

शेन वाटसन ने 'बिग फाइव' में इस भारतीय को चुना सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बाबर आजम दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के पूर्व आलराउंडर शेन वाटसन ने टेस्ट क्रिकेट में बिग फाइव के बीच विराट कोहली को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना। वाटसन ने इस पहलू को अधिक तवज्जो नहीं दी कि कोहली नवंबर 2019 से शतक जड़ने में नाकाम रहे हैं। वाटसन

की सूची के अनुसार पूर्व भारतीय कप्तान कोहली ने स्टीव स्मिथ, केन विलियमसन, जो रूट और बाबर आजम को पछाड़ा। आइसीसी रिव्यू की नवीनतम कड़ी में इशा गुहा ने जब वाटसन से पूछा कि उनके विचार में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज कौन है तो उन्होंने कहा, 'टेस्ट मैच क्रिकेट में मैं हमेशा कहूंगा कि विराट कोहली। वह लगभग सुपरह्यूमन हैं, वह जो हासिल कर पाए हैं वह इसलिए है क्योंकि वह जब भी खेलने उतरते हैं तो इतने अधिक जुनून के साथ उतरते हैं।' कोहली आइसीसी रैंकिंग में 10वें स्थान पर खिसक गए हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में इस दिग्गज भारतीय का रिकार्ड शानदार है। उन्होंने 27 टेस्ट शतक और 28 अर्धशतक जड़े हैं और उनकी मौजूदा टेस्ट बल्लेबाजी औसत 50 से कुछ कम है। आइसीसी ने अपनी वेबसाइट पर रिपोर्ट में कहा कि दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज मार्नस लाबुशाने हैं जिन्होंने 26 टेस्ट में 54.31 की औसत से रन बनाए हैं। उनकी मौजूदगी में बिग फाइव को बिग सिक्स माना जाना चाहिए था, लेकिन न्यूनतम 40 टेस्ट खेलने की पात्रता के कारण उन्हें इसमें जगह नहीं मिली। पाकिस्तान के कप्तान बाबर को वाटसन ने दूसरे नंबर पर रखा है। वाटसन ने कहा कि बाबर आजम शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'उन्होंने जिस तरह अपने खेल से सामंजस्य बैठाया है और टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है वह देखना शानदार है। बाबर आजम संभवतः अभी नंबर दो है।' बाबर अभी आइसीसी रैंकिंग में पांचवें नंबर के बल्लेबाज हैं और आस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा प्रदर्शन को देखा जाए तो उनमें सुधार हो रहा है। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ कराची में दूसरे टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेली और सीरीज में 390 रन बनाए। वाटसन की सूची में स्मिथ तीसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि स्मिथ ने क्रीज पर अधिक समय बिताने के बारे में सोचना शुरू कर दिया है और वह गेंदबाजों पर उतना दबाव नहीं डाल रहे जितना वह उस समय डालते थे जब वह अपने खेल के शीर्ष पर थे। मेरे लिए स्मिथ इस सूची में थोड़ा नीचे गिरे हैं।' स्मिथ आइसीसी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। विलियमसन को इस समय चौथा सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज मानने वाले वाटसन ने कहा, 'केन अपने खेल से अच्छी तरह वाकिफ हैं और उन्हें पता है कि किसी भी हालात में कैसे गेंदबाजों पर दबाव बनाना है।' विलियमसन ने पिछले 12 महीने में सिर्फ दो टेस्ट खेले हैं और वह टेस्ट रैंकिंग में तीसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। अपने पांचवें सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रूट पर वाटसन ने कहा, 'जो रूट ने हाल में शतक जड़ा, लेकिन वह पिछले कुछ समय में स्टीव स्मिथ की तरह चले हैं जहां वह अतीत की तरह बड़े स्कोर नहीं बना पा रहे।'

पर्पल कैप की रेस में टाप तीन में भारतीय गेंदबाज, नंबर वन पर हैं युजवेंद्र चहल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में अब तक हुए मुकाबलों में बल्ले और गेंद का जबरदस्त रोमांच देखने को मिला है। सभी टीमों ने 4 या इससे अधिक मैच खेल लिए है। इस सीजन में अब तक हुए मैचों की बात करें तो यहां कुछ टीमों ने 200 से ज्यादा का स्कोर भी खड़ा किया है तो कुछ 128 जैसे लो स्कोर पर भी आउट हुए हैं। इसलिए हर बार की तरह इस बार भी गेंदबाजों में पर्पल कैप को लेकर होड़ मची हुई है। फिलहाल इस सूची में स्पिन गेंदबाजों का दबदबा है। वर्तमान में इस सूची में युजवेंद्र चहल का कब्जा है। राजस्थान रायल्स की तरफ से खेल रहे चहल 5 मैचों में 12 विकटों के साथ नंबर वन पर हैं। दूसरे नंबर पर एक ऐसा गेंदबाज है जिन्होंने पिछले सीजन में एक भी मैच नहीं खेला था। कोलकाता की तरफ से शानदार गेंदबाजी कर रहे उमेश यादव 5 मैचों में 10 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इन्हें मेगा आक्शन के पहले दिन खरीददार तक नहीं मिला था। इस सूची में तीसरे नंबर पर एक ऐसा गेंदबाज है जिसने कई महीनों बाद मैदान पर वापसी की है। दिल्ली की तरफ से खेल रहे कुलदीप यादव के खाते में 4 मैचों में 10 विकेट है और वे तीसरे नंबर पर हैं। चौथे नंबर पर आरसीबी की तरफ से

लगातार जलवे बिखेरा रहा स्पिन गेंदबाज वानिंदू हसरंगा हैं। उन्होंने मुंबई के खिलाफ मैच में 2 विकेट झटके थे। इसके साथ ही 4 मैचों में उनके नाम 8 विकेट हो गए है। राजस्थान के खिलाफ 3 विकेट लेकर गुजरात के तेज गेंदबाद लाकी फर्ग्यूसन ने चौथे स्थान पर जगह बना ली। अब उनके खाते में 5 मैचों में 8 विकेट हो गए हैं। छठे नंबर पर यार्कर किंग हैदराबाद के टी नटराजन 4 मैचों में 8 विकटों के साथ बने हुए हैं। उनकी टीम लगातार दो मैच जीत चुकी है। 7वें नंबर पर लखनऊ का गेंदबाज आवेश खान है। उनके नाम 5 मैचों में 8 विकेट है।हैदराबाद के खिलाफ मैच में उन्होंने आइपीएल में करियर की बेस्ट गेंदबाजी की और 4 विकेट झटके। 8वें नंबर पर दिल्ली के गेंदबाज खलील अहमद ने जगह बना ली है अब उनके खाते में 3 मैचों में 7 विकेट हो गए हैं। उन्होंने आनरिक नोकिया के नेतृत्व में दिल्ली के लिए अच्छी गेंदबाजी की है। 9वें और 10वें नंबर पर क्रमशः ट्रेंट बोल्ट और राहुल चाहर है। बोल्ट 4 मैचों में 7 विकेट झटक चुके है जबकि चाहर के खाते में भी इतने ही विकेट है। हालांकि उन्होंने बोल्ट से एक मैच अधिक खेला है। पिछले सीजन के पर्पल कैप होल्डर हर्षल पटेल 4 मैचों में 6 विकटों के साथ फिलहाल 13वें नंबर पर है। उम्मीद है कि जैसे-जैसे आइपीएल आगे बढ़ता जाएगा इस सूची में ढेरों बदलाव देखने को मिलेंगे।

कोलकाता के सामने इन खिलाडियों के भरोसे तीसरी जीत तलाशेगी हैदराबाद की टीम

नई दिल्ली। ब्रेबोर्न स्टेडियम में हैदराबाद की टीम जब कोलकाता के सामने उतरेगी तो उसके सामने पिछले मैच के प्रदर्शन को दोहराने की चुनौती होगी। विलियमसन और अभिषेक शर्मा को एक बार फिर से अच्छी पारी खेलने की जरूरत होगी। टीम को वाशिंगटन सुंदर की कमी इस मैच में जरूर खलेगी क्योंकि चोट के कारण वो उपलब्ध नहीं होंगे। सुंदर पावरप्ले में गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते हैं ऐसे में हैदराबाद की गेंदबाजी थोड़ी से मुश्किल में दिख रही है। भुवनेश्वर कुमार पिछले मैच में लय में नजर नहीं आए थे जबकि उमरान मलिक अपने रफ्तार से सबकों चौंका तो रहे है लेकिन विकेट लेने के मामले में ज्यादा सफल नहीं हो रहे हैं। हैदराबाद की ओपनिंग जोड़ी- पिछले दो मैचों में विलियमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी ने कमाल किया है जिसकी बदौलत टीम जीत दर्ज करने में कामयाब रही है। सीएसके के खिलाफ दोनों ने पहले विकेट के लिए 89 जबकि गुजरात के खिलाफ 64 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। एक बार फिर दोनों से इसी तरह की पारी की उम्मीद होगी। मध्यक्रम में हैदराबाद- राहुल त्रिपाठी ने पिछले दो मैचों में टीम का अच्छा साथ दिया था। हालांकि गुजरात के खिलाफ मैच में वे रिटायर्ड हर्ट हो गए थे लेकिन कोच ने बताया था कि वो ठीक हैं ऐसे में उन पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। उनके अलावा मध्यक्रम में निकोलस पूरन और एडेन मार्करम अच्छे रंग में दिखे थे जो टीम के लिए शुभ संकेत है। गेंदबाजी में हैदराबाद- भुवनेश्वर के नेतृत्व में टीम में उमरान मलिक, टी नटराजन और माकी येन्सन के रूप में तेज गेंदबाजा मौजूद हैं। स्पिन में श्रेयस गोपाल को मौका मिल सकता है।

कब और कहां देख सकते हैं कोलकाता और हैदराबाद के बीच होने वाला ये मैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 25वें मैच में कोलकाता का सामना लगातार दो जीत दर्ज करने वाली टीम सनराइजर्स हैदराबाद के साथ होगा। शुरुआती मैचों को छोड़ दें तो हैदराबाद की टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में लय में नजर आ रही है। दूसरी तरफ कोलकाता की टीम पिछले मैच में हार कर यहां पहुंची है। टीम का मध्यक्रम समस्या का कारण है और वहां बड़े स्कोर नहीं बन रहे हैं। वेंकटेश अय्यर बतौर ओपनर अच्छा काम कर रहे हैं वहीं पैट कमिंस के आने से कोलकाता की गेंदबाजी आक्रमण में धार बढ़ी है।15 अप्रैल, शुक्रवार को होगा कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच ये मैच। कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच ये मैच ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला जाएगा। कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच ये मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा। कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स के नेटवर्क या हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा इस मैच से जुड़ी हर खबर को आप आप दैनिक जागरण की वेबसाइट पढ़ सकते हैं।

राशिफल

मेष-: इसे दबाने से आपकी शारीरिक परेशानी बढ़ सकती है। शारीरिक गतिविधि बढ़ाकर इससे छुटकारा पाएं। बुरे हालात से दूर रहने में ही भलाई है।

वृष-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने में आ रही बाधाएं आज दूर होंगी। आज का दिन किसी मित्र की मदद करेगा जो भविष्य में आपकी मदद कर सकता है।

मिथुन-: आप असमंजस की स्थिति से निपटने के प्रयास में सफल हो सकते हैं. यदि आप धैर्य और प्रयास के बीच संतुलन रखते हैं, तो अधिकांश समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

कर्क-: आज आपके कुछ छिपे हुए विरोधी आपको गलत साबित करने की पूरी कोशिश करेंगे. आपको आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है। के साथ सावधानीपूर्वक काम करेंगे।

सिंह-: आभूषण और प्राचीन वस्तुओं में निवेश लाभकारी रहेगा और समृद्धि लाएगा. विदेश में रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिला उपहार आपको खुशी दे सकता है।

कन्या-: आज का दिन आपके लिए खास रहेगा. आज अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातों को समझने का प्रयास करें। इससे आपको भविष्य में ही फायदा होगा।

तुला-: अविवाहित लोगों की लव लाइफ अच्छी रह सकती है. शादीशुदा लोगों को भी पार्टनर की मदद मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे।

वृश्चिक-: आज आपके कई काम समय पर पूरे होंगे. कुछ नया करने की कोशिश करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। तनाव खत्म होने से आपके काम की गति में वृद्धि होगी।

धनु-: बच्चे खेलकूद और अन्य बाहरी गतिविधियों में अधिक समय व्यतीत करेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक सीखने की जरूरत है, क्योंकि दिल की बात कहने से नुकसान भी हो सकता है।

मकर-: आज शादीशुदा हैं तो जीवनसाथी को अधिक समय देंगे तो दोनों के संबंधों में मधुरता बढ़ेगी. शाम तक किसी फंक्शन में जाने का भी प्लान बना सकते हैं।

कुंभ-: नौकरीपेशा और व्यापार करने वाले लोग अपने काम से संतुष्ट हो सकते हैं. वरिष्ठ अधिकारियों से भी बातचीत की संभावना है। किसी की मदद करने का मौका मिल सकता है।

मीन-: आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरपूर रहेगा. व्यापार सफलता का सूत्र बनेगा। आपके मन में जल्द ही बदलाव आएंगे, जिससे आपका मन कुछ हद तक द्विभाजित रहेगा।

सम्पादकीय

भीमराव आंबेडकर के दिखाए रास्ते पर चलकर आत्मनिर्भर बनेगा भारत

अब से 25 वर्ष बाद राष्ट्र स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करेगा। मौजूदा अमृत महोत्सव राष्ट्र की विकास-गति की एक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। हमारे पूर्वजों ने इस संबंध में अपनी स्पष्ट दूरदृष्टि को प्रस्तुत किया था, जिसके फलस्वरूप हमारी अब तक की प्रगति हुई है। नए भारत के निर्माण के इस व्यापक कार्य के परिप्रेक्ष्य में कई क्षेत्रों में बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर की प्रेरणादायी दूरदृष्टि और सतर्कतापूर्ण दृष्टिकोण हमेशा एक मार्गदर्शी प्रकाश-स्तंभ के रूप में हमारे साथ है। उनकी जयंती एक राष्ट्र निर्माता के रूप में उनकी समग्र भूमिका का स्मरण करने और हमारे कार्य क्षेत्रों में उनके आदर्शों का अनुकरण करने के लिए पुनः प्रेरित होने का एक उपयुक्त अवसर है। डा. आंबेडकर ने एक संस्था निर्माता के रूप में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान समय की संवैधानिक व्यवस्था ने उनकी बुद्धिमत्ता और ज्ञान को चारों दिशाओं में गुंजायमान किया है। वे संविधान सभा में वाद-विवाद में सबसे महत्वपूर्ण वक्ता थे। इस क्षेत्र में संपूर्ण वार्तालाप में सर्वाधिक योगदान अर्थात 7.5 प्रतिशत बाबा साहब का ही रहा, जबकि नेहरू का योगदान 2.14 प्रतिशत रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने डा. आंबेडकर के 'रुपये की समस्या-इसकी उत्पत्ति और समाधान' विषयक शोध-पत्र को अपनी कार्यप्रणाली का मूलाधार बनाया। वायसराय की कार्यकारी परिषद के लेबर मेंबर के रूप में उन्होंने जल, बिजली, श्रम कल्याण नीतियों को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने केंद्र और राज्य के हितों को जोखिम में डाले बिना अपने आर्थिक स्तर को लगातार ऊपर उठाने के प्रयोजनार्थ केंद्र और राज्यों के बीच एक संघीय वित्तीय प्रणाली को विकसित करने में बड़ा योगदान दिया। वह श्रमिक अधिकारों के एक कट्टर पैरोकार थे। एक श्रमिक नेता के रूप में उन्होंने 'कार्य की उचित स्थिति' के बजाय 'श्रमिक के जीवन की उचित स्थिति' की हिमायत की। अन्य कल्याणकारी कार्यों यथा काम के घंटों को घटाकर प्रति सप्ताह 48 घंटे करना, ओवर टाइम और पेड लीव की व्यवस्था, न्यूनतम पारिश्रमिक का निर्धारण एवं उसकी सुनिश्चितता, श्रम कल्याण कोष तथा ट्रेड यूनियनों की स्वीकार्यता को अक्षरशः लागू किया गया। काश्तकारों के बीच दास परंपरा का उन्मूलन किया। श्रमिकों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए औद्योगिक विवाद विधेयक, 1938 का कड़ा विरोध किया था।

डा. आंबेडकर आधुनिक समाज में महिलाओं की प्रगतिशील भूमिका के प्रति बहुत जागरूक थे। उन्होंने स्वतंत्रता के तुरंत बाद महिलाओं के लिए मतदान अधिकार सुनिश्चित किया। उल्लेखनीय है कि अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य पश्चिमी देशों ने महिलाओं को मत का अधिकार देने में एक शताब्दी से भी अधिक का समय लिया। हिंदू कोड बिल में उन्होंने महिलाओं को गोद लेने के अधिकार के साथ-साथ, विरासत का अधिकार प्रदान करने की भी वकालत की। आर्थिक कार्यबल में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए उन्होंने लैंगिक भेदभाव के बिना 'समान कार्य के लिए समान वेतन' के प्रविधानों को सुनिश्चित किया। कोयला खदानों में भूमि के अंदर कार्य करने वाली महिलाओं पर पाबंदी हटाने संबंधी विषय में सार्थक हस्तक्षेप किया। उन्होंने उन सुदृढ़ आधारभूत बातों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके फलस्वरूप अब महिलाएं किसी भी क्षेत्र में किसी भी कार्य को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं तथा हर संभव क्षेत्र में हमारे राष्ट्र को गौरवान्वित कर रही हैं। 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में अपने समापन भाषण के दौरान डा. आंबेडकर ने एक व्यक्ति, एक वोट और एक मूल्य की व्यवस्था के माध्यम से राजनीतिक समानता प्राप्त करने पर संतोष की अनुभूति को व्यक्त किया। इसके बावजूद उन्होंने सामाजिक और आर्थिक मोर्चों पर संबंधित मूल्यों में मौजूदा मतभेदों के कारण आने वाले विरोधाभासों के बारे में भी आगाह किया। हालांकि, पिछले आठ वर्षों में मोदी सरकार द्वारा उठाए गए तमाम कदम इन विरोधाभासों को दूर कर रहे हैं और राष्ट्र डा. आंबेडकर की दूरदृष्टि के करीब पहुंचता जा रहा है। सरकारी कार्यक्रम सकारात्मक बदलाव लाने और विशेष रूप से सभी, वंचित और दलित वर्ग के लोगों के जीवन को सरल और सहज बनाने की दिशा में कार्यरत हो रहे हैं। गरीब समर्थित कल्याण योजनाओं जैसे कि मुद्रा स्कीम, एकलव्य माडल आवासीय स्कूल निर्माण स्कीम, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, स्वच्छ भारत अभियान आदि का क्रियान्वयन होने से लोगों के जीवन का स्तर बढ़ रहा है। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति स्कीम में चार करोड़ अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को उच्चतर शिक्षा सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था की गई है।

पूरी दुनिया को खाद्यान्न उपलब्ध कराने की बात यूं ही नहीं कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से बात करते हुए कहा कि यदि विश्व व्यापार संगठन अनुमति दे तो भारत पूरी दुनिया को खाद्यान्न उपलब्ध करा सकता है। उनके इस कथन का सीधा अर्थ है कि भारत में पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न है। देश में खाद्यान्न प्रचुरता के कारण दो हितकारी बातें दिखाई दे रही हैं। पहली, सरकार के मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम के कारण न सिर्फ कोविड महामारी की वजह से लगाए गए लाकडाउन की मार से गरीबों को बचाया जा सका, बल्कि इस समय दुनिया की तुलना में देश में महंगाई भी कम है। दूसरी, रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत ने वैश्विक खाद्यान्न जरूरतों की पूर्ति के मद्देनजर गेहूं निर्यात का अभूतपूर्व मौका अपने हाथों में ले लिया है। उल्लेखनीय है कि देश में गेहूं सहित खाद्यान्नों के रिकार्ड उत्पादन का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। यह आम आदमी और अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा सहारा बन गया है। खाद्य मंत्रालय के खाद्यान्न उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, फसल वर्ष 2021-22 में देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकार्ड 31.60 करोड़ टन पर पहुंच जाने का अनुमान है, जो पिछले फसल वर्ष में 31.07 करोड़ टन रहा था। इस वर्ष गेहूं का उत्पादन रिकार्ड 11.13 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो कि पिछले वर्ष 10.95 करोड़ टन रहा था। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान चावल का कुल उत्पादन 12.79 करोड़ टन रिकार्ड अनुमानित है। साथ ही इस साल तिलहन उत्पादन 3.71 करोड़ टन रह सकता है, जो कि पिछले साल के 3.59 करोड़ टन से ज्यादा है। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के मुताबिक किसानों को दी जा रही पीएम सम्मान निधि, विभिन्न कृषि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन और किसानों के परिश्रम से खाद्यान्न उत्पादन वर्ष-प्रतिवर्ष रिकार्ड ऊंचाई बनाते हुए दिखाई दे रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश में खाद्य सब्सिडी कार्यक्रम

गरीब वर्ग को सहारा देते हुए दिखाई दे रहा है। हाल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के एक कार्य पत्र में कहा गया है कि सरकार के प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम ने लाकडाउन के प्रभावों की गरीबों पर मार को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। गौरतलब है कि कोरोना महामारी शुरू होने के बाद मोदी सरकार ने अप्रैल 2020 में गरीबों को मुफ्त राशन देने के लिए पीएमजीकेएवाई की शुरुआत की थी। इसके तहत लाभार्थी को उसके सामान्य कोटे के अलावा प्रति व्यक्ति पांच किलो मुफ्त राशन दिया जाता है।

एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम से कैसे अर्थव्यवस्था को मिल रही है तेज गति

भारत के वस्त्र समेत तमाम स्थानीय उत्पाद आरंभिक सदियों से लेकर 17वीं-18वीं सदी तक यूरोपीय मनोविज्ञान पर इस तरह प्रभाव जमाए रखे कि प्रत्येक कालखंड में पश्चिमी बुद्धिजीवी किसी न किसी तरह का विलाप करते दिखे। ऐसे अनेक तथ्य हैं जो भारतीय कला और शिल्प उद्योग से जुड़ी महानता को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लिए जब 'वोकल फार लोकल' की अनिवार्यता पर बल दिया तो अकस्मात इतिहास के पन्ने-मस्तिष्क के पटल पर पलटते गए जहां भारत के विकास में स्थानीयता का अमूल्य योगदान संरक्षित है। हालांकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर प्रदेश के स्थानीय अथवा देशज उत्पादों का अपग्रेडेशन, मार्केटिंग, पैकेजिंग और ब्रांडिंग कर देश-विदेश के बाजारों से जोड़? के उद्देश्य से 'एक जनपद, एक उत्पाद (ओडीओपी) कार्यक्रम की शुरुआत की। आज आप देख सकते हैं कि ओडीओपी कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के बहुत से स्थानीय उत्पाद दुनिया के बाजारों से जोड़? के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एवं रोजगार में एक नया आयाम जोड़? में तो सफल ही हुआ है। इसकी सफलता, संभावना और इसमें निहित भारतीय सेंटीमेंट्स को देखते हुए ही प्रधानमंत्री ने इससे अन्य राज्यों को भी प्रेरणा लेने की सलाह दी है। सांस्कृतिक विकासक्रम में भारत ने अपनी संस्कृति और अध्यात्म की एक वृहत परंपरा का विकास तो किया ही, साथ ही ज्ञान, विज्ञान, कला तथा उद्यम की ऐसी शैलियों का भी विकास किया जो भारत की विशिष्ट पहचान बनीं। इन शैलियों

का उद्भव देशज था, लेकिन पहुंच राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय। उद्यम एवं कला की ये स्थानीय शैलियां इतना मजबूत आधार रखती थीं कि भारत में नगरीय क्रांतियों को व्यापक आधार देने और गांवों को रिपब्लिक की हैसियत तक ले जाने में सफल रहीं। शायद यही कारण है कि बाहरी आक्रांताओं ने उत्पादन की इन स्थानीय तकनीकों व शैलियों को नष्ट कर दिया और भारत के गांवों पर आधिपत्य स्थापित करने की कोशिश की। आजादी के बाद इसकी आवश्यकता थी कि पुनः देशज उत्पादों को एक व्यापक आधार दिया जाए, ताकि राजनीतिक स्वतंत्रता का दायरा बढ़ाते हुए आर्थिक स्वतंत्रता का वो जाया जा सके। महात्मा गांधी ऐसा ही चाहते थे। उनकी आर्थिक परिकल्पना का यही आधार था। हालांकि ऐसा हो नहीं पाया। प्रधानमंत्री के स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्टैंडअप इंडिया के साथ इसकी आधारभूत शुरुआत हुई जिसे 'वोकल फार लोकल' मंत्र ने एक नया आयाम देने का कार्य किया। एक और बात पर भी ध्यान देने की जरूरत है, वह यह कि अपनी माटी, मां का दिया हुआ मोटा कपड़ा और मोटे अनाज की रोटी ने ही भारत को पूरी तरह से गुलाम नहीं होने दिया। आज की विश्व व्यवस्था और बाजार की प्रतिस्पर्धा को देखते हुए यह आवश्यक हो चुका है कि देशज और पारंपरिक कलाओं, शिल्पों व उत्पादों को भारतीयों के सेंटीमेंट्स से जोड़ते हुए आधुनिक तकनीक व कौशल से संपन्न कर गुणवत्तापूर्ण प्रतिस्पर्धी बनाया जाए। यह भारत की मौलिक विशेषता के अनुकूल तो है ही, लेकिन कोविड जैसी वैश्विक आपदा ने हमें यह सिखा दिया है कि इकोनमी का यह माडल भारतीय लोकजीवन के निकट होने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता व खुशहाली की बुनियादी विशेषताओं से भी संपन्न है। बहुत से अध्ययन यह बताते हैं कि हमारी स्थानीय आर्थिक ईकाइयां समर्थ न होतीं तो मांग और पूर्ति की स्थानीय चेन टूट जाती। यदि ऐसा होता तो न केवल अर्थव्यवस्था डिप्रेशन की ओर बढ़ जाती, बल्कि बेरोजगारी और भुखमरी का संकट नई सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां खड़ी कर देता। लेकिन इन विशेषताओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काफी पहले ही समझ लिया था। यही वजह है कि उन्होंने वर्ष 2018 में ही यूपी दिवस के अवसर पर 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट्स (ओडीओपी) कार्यक्रम को अपने इकोनमिक माडल में इसे विशेष स्थान प्रदान कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर, प्रतिस्पर्धी, नवोन्मेषी, धारणीय तथा समावेशी बनाने की दिशा में आगे बढ़? का निणन्य लिया। ओडीओपी कार्यक्रम क्लासिकल इकोनमिक माडल के नजरिए से देखने से भले ही कुछ खास न लगे, लेकिन इसकी अपनी विशेषताएं हैं जो कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। ओडीओपी का मूल सरोकार भारतीय भावनाओं से है, आत्मनिर्भर स्थानीय अर्थव्यवस्था की स्थापना से है, ग्रामीण रोजगार से है और इसके साथ-साथ पारंपरिक शिल्प व उत्पादों के पुनरुद्धार से और अंत में मार्केट मैकेनिज्म से है। ओडीओपी कार्यक्रम की सफलता के लिए जरूरी था कि उत्पादों को मार्केट मैकेनिज्म से जोड़ा जाए। इसके लिए फैसिलिटेशन, मार्केटाइजेशन यानी डिजाइनिंग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग की जरूरत थी। किसी भी उत्पाद के लिए बाजार में स्पेस निर्मित करने के लिए क्वालिटी आफ स्टैंडर्ड की जरूरत होती है। इसके लिए उत्पाद का सर्टीफिकेशन जितनी बड़ी संस्था से होता है उत्पादों की साख उतनी अधिक होती है। उत्पाद की साख जितनी अधिक होती है, उसकी बाजार में मांगवृद्धि भी उसी अनुपात में अधिक होगी। लेकिन इसके साथ-साथ ब्रांडिंग, फैसिलिटेशन, प्रोमोशन और वैल्यू एडीशन भी आवश्यक होता है। इन सभी पहलुओं पर उत्तर प्रदेश सरकार ने मिशन मोड में काम किया। ध्यान रहे कि आज की बाजार अर्थव्यवस्था में 'हाउ टू प्रोड्यूसऽ उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि 'हाउ टू प्रेजेंटऽ है। इसलिए ब्रांड की डिजाइनिंग और मार्केटिंग बेहद निर्णायक कारक बन जाते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए ब्रांड की डिजाइनिंग और तकनीकी अपग्रेडेशन के लिए उच्चस्तरीय संस्थानों के साथ समझौता किया गया। एक्सपोर्ट, ब्रांडिंग और प्रमोशन की जिम्मेदारी इ-कामर्स कंपनियां को दी गई है कि ताकि ब्रांड में वैल्यू एडीशन हो सके।

हमारे जीवन के अधिकार में कैसे दखल दे रहा है लाउडस्पीकर, शोर का स्वास्थ्य पर पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

वर्तमान में अनेक प्रकार के प्रदूषण निरंतर बढ़ते जा रहे हैं। वायु प्रदूषण से तो मानवता जूझ ही रही है, अनेक कारणों से ध्वनि प्रदूषण भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इससे जन स्वास्थ्य के समक्ष खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। यातायात के साधनों से लेकर फैक्टरियों आदि तक से निकलने वाला ध्वनि प्रदूषण हमें इसलिए भी बर्दाश्त करना पड़ता है, क्योंकि विकास की वर्तमान परिभाषा को सार्थक करने के लिहाज से ऐसा काफी हद तक आवश्यक भी है, यह बात अलग है कि नवोन्मेष के माध्यम से अब इनमें भी ध्वनि प्रदूषण को कम किया जा रहा है। इसके अलावा, कई ऐसे अन्य कारक भी हैं जिनसे ध्वनि प्रदूषण की गंभीरता बढ़ रही है। ऐसे में धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर से जुड़े विवाद के साथ विचार मंथन भी शुरू हो गया है कि कहीं धर्म की आड़ में लाउडस्पीकर का बढ़ता चलन मानव के जीवन के अधिकार में खलल तो नहीं डाल रहा है। ध्यातव्य है कि जिस प्रकार देश का सभी विधान सभी लोगों पर समान रूप से लागू होता है, उसी प्रकार ध्वनि प्रदूषण संबंधी विधान भी सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए। ईश्वर की आराधना में शोर-शराबे और लाउडस्पीकर जैसे आडंबर की क्या आवश्यकता? गौरतलब है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने वर्ष 2020 में फैसला दिया कि अजान इस्लाम का एक हिस्सा है, लेकिन लाउडस्पीकर से अजान देना इस्लाम का हिस्सा नहीं है। चिंता की बात यह है कि धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर ध्वनि प्रदूषण फैलाया जाता है जो वास्तव में हमारे सभ्य और शिक्षित समाज में चौंकाने वाला है। चूंकि लाउडस्पीकर यानी ध्वनि विस्तारक यंत्र एक हालिया वैज्ञानिक नवाचार है, इसलिए इस तरह के यंत्र के उपयोग का किसी भी पवित्र ग्रंथ में कोई उल्लेख नहीं मिलता है। हमें विदित होना चाहिए कि सबसे पहले मनुष्य आया फिर धर्म और उसके बाद लाउडस्पीकर जैसे यंत्र। इसलिए हकीकत है कि लाउडस्पीकर का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष किसी भी प्रकार से धर्म से कोई संबंध नहीं है। यह तो हम सबकी मानसिकता ही धीरे-धीरे ऐसी बनती गई कि मानो अब बिना लाउडस्पीकर के ईश्वर की पूजा आराधना ही नहीं की जा सकती। लाउडस्पीकर और जीवन का अधिकार : शायद ही कभी हम सबने सोचा हो कि लाउडस्पीकर किसी भी व्यक्ति के जीवन के अधिकार में बाधा भी डालता है। मालूम होना चाहिए कि ध्वनि प्रदूषण जीवन के अधिकार से जुड़ा हुआ मामला है और संविधान के तहत प्रत्येक नागरिक को यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार वहीं रुक जाता है, जहां दूसरे व्यक्ति का अधिकार शुरू होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो कर्तव्य और अधिकार साथ-साथ चलते हैं। बता दें कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 (1) ए और अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को बेहतर वातावरण और शांतिपूर्ण जीवन जीने का अधिकार देता है। लेकिन बढ़ता शोर आज मानव जीवन के साथ जीव-जंतु और पेड़-पौधों को भी प्रभावित करने के साथ जीवन के अधिकार में बाधा बन रहा है। धार्मिक कार्यों के नाम पर ध्वनि प्रदूषण : अक्सर देखा जाता है कि लोग अपने आसपास बजने वाले लाउडस्पीकर या डीजे

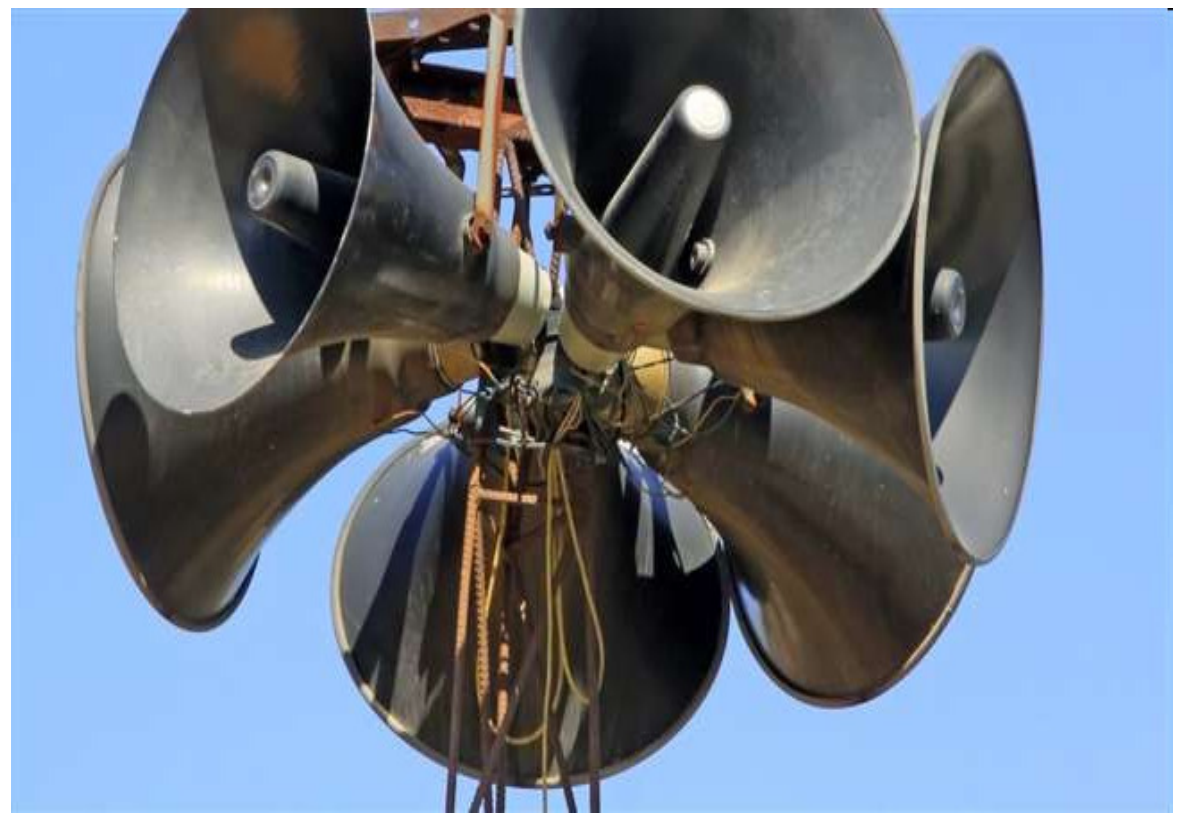

को गंभीरता से नहीं लेते हैं। इससे तेज आवाज को प्रसारित करने वालों का हौसला बढ़ता है और वह रात या दिन यानी कभी भी लाउडस्पीकर बजाने लगता है। मंदिरों में सुबह और शाम लाउडस्पीकर बजाना धार्मिक कृत्य माना जाता है, जबकि वास्तविकता में यह बच्चों के पढ़? का समय होता है। इसी प्रकार एक सवाल सदैव से उठता रहा है कि जिसे नमाज या पूजा भक्ति करनी होगी या जिसे रोजे में सुबह से पहले भोजन लेना होगा, उसे लाउडस्पीकर पर कहने का क्या औचित्य है? वैसे लाउडस्पीकर केवल मस्जिदों पर ही नहीं बजते, मंदिरों के साथ अन्य धार्मिक स्थलों पर भी खूब बजाए जाते हैं। फिलहाल अब धार्मिक संगठन के लोगों को सोचना होगा कि क्या ऐसे कृत्य समाज के लिए कल्याणकारी हैं? अगर नहीं, तो फिर लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध का सहयोग करना चाहिए, न कि उसका विरोध। ध्वनि प्रदूषण पर लगाम के लिए प्रविधान : पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 15 को ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियमावली 2000 के नियम 5/6 के साथ पढ़? पर यह ध्वनि प्रदूषण संज्ञेय और गैर जमानती अपराध है, जिसमें पांच वर्ष तक की सजा और एक लाख रुपये तक के हर्जाने की व्यवस्था की गई है। मालूम हो कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रस्तावित ध्वनि प्रदूषण मानदंडों के उल्लंघन के लिए भारी जुर्माने को मंजूरी भी दी है। सीपीसीबी की रिपोर्ट के अनुसार, लाउडस्पीकर और सार्वजनिक पता प्रणाली के दुरुपयोग के लिए उपकरण जब्त करने के अलावा दस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। एक हजार से अधिक केवीए क्षमता के डीजल जनरेटर से ध्वनि प्रदूषण से एक लाख का जुर्माना लगेगा और उपकरण भी सील किए जा सकते है। निर्माण स्थलों पर निर्धारित स्तर से परे शोर करने पर 50 हजार का जुर्माना और उपकरण जब्त करना संभव होगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पटाखे फोड़? पर भी भारी जुर्माने का प्रविधान किया है। ध्यातव्य है कि रिहायशी इलाकों में पटाखे फोड़? पर एक व्यक्ति पर हजार रुपये और साइलेंस जोन में तीन हजार रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। साथ में, ध्वनि की सीमाएं भी निर्धारित की गई है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) 2000 के अंतर्गत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने चार अलग-अलग प्रकार के क्षेत्रों के लिए ध्वनि मानदंड रखा है। औद्योगिक क्षेत्र के लिए क्रमशः दिन व रात में 75 और 70 डेसिबल, वाणिज्यिक क्षेत्रों के लिए 65 और 55, आवासीय क्षेत्र के लिए 55 और 45 व शांत क्षेत्रों के लिए 50 व 40 डेसिबल की मात्रा निर्धारित की है। ऐसा नहीं है कि भारत में विधायिका और कार्यपालिका ध्वनि प्रदूषण के खतरे से पूरी तरह अनभिज्ञ है। तमाम कानून बनाए गए हैं और कानून के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए कार्यपालिका द्वारा नियम भी बनाए गए हैं। असली मुद्दा कानूनों को लागू करने का है। बहरहाल, जब भी कभी किसी चीज को धर्म से जोड़ दिया जाता है तो उसकी संवेदनशीलता बढ़ जाती है और उस पर कार्रवाई करना कठिन हो जाता है। इसी वजह से कठोर कानून के बावजूद जनता को ध्वनि प्रदूषण से राहत नहीं मिलती दिख रही है। ऐसे में लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध के लिए एक देश एक कानून होना चाहिए और सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू भी होना चाहिए, क्योंकि धर्म के नाम पर किसी भी व्यक्ति के जीवन के अधिकार को नहीं छीना जा सकता। लगातार बढ़ता हुआ ध्वनि प्रदूषण जीवनशैली में बाधा खड़ी कर रहा है। इसलिए अस्पताल और आवासीय क्षेत्रों के पास किसी प्रकार की धार्मिक गतिविधि, राजनीतिक रैली या विवाह समारोह आदि के जरिये शोर की अनुमति कदापि नहीं देनी चाहिए। केवल उन्हीं समूहों को अनुमति दी जानी चाहिए जो ध्वनि प्रदूषण प्रतिबंधों का पालन करने के लिए सहमत हों। वैसे उचित तो यही होगा कि सभी संप्रदाय के लोग लाउडस्पीकर को धर्म से जोड़ कर न देखें तथा इस पर देशव्यापी प्रतिबंध लगाने बाबत मिलकर पहल करें। हमें सदैव ध्यान रखना चाहिए कि लाउडस्पीकर हिंदू, मुस्लिम या किसी भी धर्म का प्रतिबिंब नहीं है, क्योंकि ईश्वर से जुड़? के लिए किसी आधुनिक यंत्र की कोई दरकार नहीं होती है। इसलिए लाउडस्पीकर के त्याग अथवा उसकी ध्वनि को धीमा करने पर आपत्ति जताना सही नहीं है। जीवन के लिए महंगी स्वास्थ्य की अनदेखी । एक शोध के द्वारा पता चला है कि पिछले तीन दशकों के दौरान किशोरों में श्रवण हानि में वृद्धि हुई है। इससे भी अधिक भयावह बात यह है कि उच्च स्तर के शोर के लंबे समय तक संपर्क में रहने के बाद कई वर्षों तक श्रवण हानि का पता नहीं चल सकता है। लाउडस्पीकर के नियमित दिन और रात प्रयोग होने से नींद पूरी न होने के कारण मनुष्य में अनेक प्रकार की शारीरिक और मानसिक बीमारी घर कर जाती है। जैसे बहरापन, उच्च रक्तचाप, अवसाद, चिड़चिड़ापन, थकान, एलर्जी, पाचन संबंधी समस्याएं व मानसिक विकार। पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका पर पारित आदेश का हवाला देते हुए अनुपालन सुनिश्चित करने और धार्मिक पाठ या अजान के लिए लाउडस्पीकर के नियमित उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिए जाने की मांग की गई थी। बहरहाल, यह केवल उत्तर प्रदेश की समस्या नहीं है अपितु यह देशव्यापी समस्या है। ध्वनि प्रदूषण का शिशुओं और महिलाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कभी-कभी ध्वनि की तेज गति के कारण महिलाओं का गर्भपात होने का खतरा बढ़ सकता है या भ्रूण का विकास रुक सकता है और शिशु का पूरा व्यवहार बदल सकता है। सीखने और व्यवहार सहित बच्चे के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए यह गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। अत्यधिक शोर के कारण हृदय, मस्तिष्क, किडनी एवं यकृत को काफी नुकसान होता है। मनुष्य में भावनात्मक विसंगतियां उत्पन्न हो जाती हैं। कार्य करने की क्षमता में धीरे-धीरे कमी होने लगती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि मनुष्य का शरीर अधिकतम 80 डेसिबल के तरंगों को झेल सकता है। जबकि 100 डेसिबल से अधिक की ध्वनि तरंगों के बीच रहने वालों में कम सुनने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। विज्ञानियों ने लंबे समय तक अध्ययन करने के बाद पाया है कि ध्वनि प्रदूषण के कारण शरीर का मेटाबालिक अर्थात उपापचयी प्रक्रियाएं बुरी तरीके से प्रभावित होती हैं। इससे एड्रीनल हामीन का स्राव बढ़ जाता है। नतीजन धमनियों में कोलेस्ट्रोल का जमाव होने लगता है और इससे हार्टअटैक हो सकता है। ध्वनि प्रदूषण के चलते हैं जैव विविधता पर भी प्रभाव पड़? कोई बड़ी बात नहीं है। शोध से पता चला है कि ध्वनि प्रदूषण के चलते कुछ जीव अपने शिकारियों से नहीं बच पर रहे हैं। वहीं इसके विपरीत कुछ जीवों के लिए अपना शिकार खोजना भी मुश्किल साबित हो रहा है। उदाहरण के रूप में चमगादड़ और उल्लू को देख सकते है, उनके जैसे जीव संभावित शिकार को उनकी आवाज से पहचानते हैं। पर ध्वनि प्रदूषण उस आवाज को सुनने में दिक्कत पैदा कर रहा है। यही वजह है कि उन्हें अपना शिकार खोजने और भोजन जुटाने में अधिक समय लग रहा है, जिससे आने वाले समय में इन प्रजातियों में गिरावट की आशंका है। अतः सभी प्रकार के संकटों को देखते हुए जल्द से जल्द बढ़ते प्रदूषण पर काबू पाने के लिए समाज को आगे आना चाहिए और सरकार के साथ मिलकर ध्वनि प्रदूषण जैसे मुद्दे पर साथ देना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

छह सालों से किसानों के लिए 'वन नेशन वन मार्केट' है

नई दिल्ली। छह साल पहले साल 2016 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसानों को अपने फसलों को लेकर होने वाली समस्या को सुलझाने के लिए राष्ट्रीय कृषि बाजार की शुरुआत की थी। के जरिए देश के किसान सीधे ही खरीद बिक्री कर सकते हैं। इलेक्ट्रोनिक पोर्टल से देश के मौजूदा सभी कृषि उपज मंडी समिति जुड़ गए हैं। भारत में किसानों के लिए एक आनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफार्म है। यह ई-मार्केट किसानों, व्यापारियों और खरीदारों को आनलाइन व्यापार की सुविधा प्रदान करता है और बेहतर कीमत दिलाने में मदद करता है। साथ ही उपज के सुचारू विपणन के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। 8 मार्च तक जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार इसके अंतर्गत देश भर के 21 राज्यों की 1000 मंडियां है। इस पोर्टल पर 1.72 किसान और 2.19 लाख व्यापारी रजिस्टर्ड है। पोर्टल पर आधार कार्ड, बैंक पासबुक और मोबाइल नंबर के माध्यम से निबंधन कराया जा सकता है। कृषि मंत्रालय के ई पोर्टल का खरीद बिक्री बेहद आसान है। इसका पोर्टल यूजर फ्रेंडली है। व्यापारी और किसान दोनों को पोर्टल पर पंजीकृत होना रहता है। इसके लिए आधार, बैंक एकाउंट और मोबाइल इसके दिए गए कॉलम में भरना होता है। पंजीकृत होने के बाद इनका यूजर आइडी और पासवर्ड जेनरेट होता है। जैसे कोई किसान बाजार समिति के माध्यम से पोर्टल पर अपने उपज को बिक्री के लिए प्रदर्शित करता है तो पंजीवृत्त व्यापारी आनलाइन बोली लगाते हैं और जिसकी बोली सबसे अधिक होती है वही खरीदार होता है।

को कहि सकइ प्रयाग प्रभाऊ महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज

(आधुनिक समाचार सेवा)
देवमणि शुक्ल

नोएडा । मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी श्रृंगवेरपुर से गंगा पार कर तीर्थराज प्रयाग की धरती पर पहुंचकर सीता व लक्ष्मण के साथ त्रिवेणी का मिलन देख कर भाव विभोर हो गए क्योंकि प्रयागराज के दर्शन मात्र से ही व्यक्ति के दुख और दारिद्र्य का तुरंत नाश हो जाता हैं । उक्त बातें सेक्टर 82 के पाकेट 7 सेन्ट्रल पार्क में चल रही रामकथा के सातवें दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज जी ने व्यासपीठ से कहीं। पूज्य स्वामी जी ने राम जी के भावों को व्यक्त करते हुए कहते हैं कि मेरे आराध्य राम प्रयागराज को इस दृष्टि से देख रहे हैं इसका चित्रण गोस्वामी जी ने अयोध्या कांड के वन गमन के समय किया है। राम जी त्रिवेणी का दर्शन कर कहते हैं क्षेत्र अगम गढ़ गाढ़ सुहावा। सपनेउ नहिं प्रतिपक्षिन पावा।। सेन सकल तीरथ बलबीरा। कलुष अनीक दलन रणधीरा।। प्रयाग क्षेत्र एक ऐसा दुर्गम मजबूत व सुंदर किला है जिस पर पाप रूपी शत्रु कभी विजय नहीं प्राप्त कर सका सभी श्रेष्ठ तीर्थ प्रयागराज की सेना है जो पाप की पूरी सेना को तहस-नहस कर देते हैं । संगम ही तीर्थराज का सिंहासन है ,अक्षय वट उस राजा का छत्र है, जिसका सौंदर्य मुनियों के मन को भी मुग्ध कर लेता है। गंगा यमुना की पावन तरंगे तीर्थराज की चवर है, जिसको देखते ही व्यक्ति अपने सारे पापों को नष्ट कर दुख और दरिद्र से दूर हो जाता है इनके सेवक हैःसेवक, सुकृती, साधु सुचि, पावहिं सब मन कामनंदी वेद पुरान गन, कहहि विमल गुन ग्राम।। तीर्थो के राजा है तो उनकी सेवा के लिए निर्मल आत्माए, पवित्र मन वाले साधु संत, करते है जो अपनी सभी मनोकामना ओं की पूर्ति उनकी सेवा से करते हैं वेद पुराण सभी उस राजा के चारण हैं जो उनके गुणों का गान करते रहते हैं । आप सबको पता होगा कि प्रतिवर्ष माघ के महीने में पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक प्रयागराज में विशाल मेला 1 माह तक चलता है साधु संतों के द्वारा सत्संग कथाएं भागवत कथा राम कथा आदि के विभिन्न प्रसंगों द्वारा विद्वत जन व्याख्यान दिया करते हैं। लाखों की संख्या में आए हुए भक्तगण गंगा की रेती में एक माह तक रह कर प्रातः काल सूर्योदय से पूर्व गंगा सनन कर नित्य संध्या बंधन आराध्य पूजन किया करते एक माह का यह काल कल्पवास के रूप में जाना जाता है । तीर्थराज के महात्म्य में तो इतना तक कहा गया है कि जो व्यक्ति 3 रात माघ के महीने में यहां रहकर सनन करता है उसके सारे पाप शीघ्र ही मिट जाते हैं और वह बैकुंठ लोक का अधिकारी हो जाता है गंग सकल मुद मंगल मूला। सब सुख करनि हरनि सब सूला।।तुलसीदास ने यह बात कह कर प्रयाग के प्रभाव को सर्वोपरि बता दिए तीर्थराज प्रयाग एक सिंह की भांति है जो एक क्षण में पाप रूपी हाथी को क्षण भर मे नष्ट कर देता है इस प्रकार अतिशय फलदायिनी गंगा -जमुना का दर्शन कर सीता अनुज सहित राम अति प्रसनन हुए । मां त्रिवेणी की पूजा अर्चना कर तीर्थराज की पावन भूमि पर विराजमान श्रेष्ठ ऋषि भारद्वाज के आश्रम पर उनके दर्शन हेतु पधारे ।राम के कार्यों से हमें यही शिक्षा मिलती है कि हम साधु-संतों विद्वानों का दर्शन करें धर्म चर्चा करें अपने संस्कारों से कुविचारों को नष्ट करें। इस मौके पर आचार्य विश्व नाथ त्रिपाठी,राजेश कुमार गुप्ता,रमेश शर्मा,मुकेश पटेल,एन के सोलंकी,रमेश दास, संजय शुक्ला,सर्वेश तिवारी, राजेश राघव,सिया राम,शिव चौधरी,धर्मेन्द्र सिंह,सी एल तिवारी,गिरिराज, हरि शंकर सिंह,रवि राघव,संजय पाण्डेय,अंगद सिंह तोमर,गोरे लाल,संगम प्रसाद मिश्र,विजय झा,हंसमणि शुक्ल,अवनीश तिवारी,अमितेश सिंह,विष्णु शर्मा,रमेश वर्मा,द्वारिका प्रसाद पाण्डेय,पं विनोद मिश्र आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

सपा नोएडा महानगर ने धूमधाम से मनाई डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 131 वी जयंती

(आधुनिक समाचार सेवा)
देवमणि शुक्ल

नोएडा । सेक्टर 9 नोएडा स्थित सपा नोएडा महानगर कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष दीपक विग की अध्यक्षता में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 121 वी जयंती, पुष्प अर्पित कर बड़ी धूमधाम से मनाया गया, इस मौके पर दीपक विग ने कहां की बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने पूरा जीवन दलितों, शोषितों और पिछड़ों को उनका अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया ओर सविधान में उनके लिये आरक्षण का प्रावधान किया,पूर्व विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा महानगर अध्यक्ष दीपक विग ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके प्रमुख तीन बातों को लोगों के बीच रखते हुए कहा कि,(1) जीवन लंबा नहीं बल्कि बड़ा और महान होना चाहिए,(2) कौन सा समाज कितना तरक्की कर चुका है इसको जानने के लिए उस समाज के महिलाओं का विकास देख लेना, (3) शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो।समिति के लोगों के द्वारा उपस्थित समाजवादी पार्टी के

प्रत्याशी सुनील चौधरी ने कहा डॉ आंबेडकर हमेशा मजदूर वर्ग वह महिलाओं के अधिकारों का समर्थन किया, सभा का संचालन महासचिव शंभू प्रसाद पोखरियाल ने किया, उपाध्यक्ष विपिन अग्रवाल शकील सैफी व मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता गौरव कुमार यादव ने महानगर अध्यक्ष दीपक जी के नेतृत्व में प्रेरणा स्थल जाकर बाबा भीमराव अंबेडकर को पुष्प अर्पित कर उनको याद किया, उसके बाद प्रेरणा स्थल में दलित उत्थान संघर्ष महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी महानगर अध्यक्ष व नेताओं का मंच पर सम्मानित करने का भी काम किया गया, जिसके लिए महानगर अध्यक्ष दीपक विग ने समिति के लोगों का धन्यवाद व्यक्त किया, आज के कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में दीपक विग, सुनील चौधरी ,विपिन अग्रवाल, शकील सैफी, शंभू प्रसाद पोखरियाल, गौरव कुमार यादव, अरविंद चौहान, उर्मिला चौधरी, शहजाद, वीर बहादुर, साहिल चौधरी मुनन आलम, नीर अवाना, मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

डीजल से चलने वाली ट्रेनों के टिकट पर नहीं लगेगा अतिरिक्त शुल्क, रेलवे ने किराया बढ़ने की आशंकाओं को किया खारिज

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने गुरुवार को साफ किया कि उसकी डीजल कर्षण पर चलने वाली ट्रेनों पर अतिरिक्त अधिभार लगाने की कोई योजना नहीं है। दरअसल ऐसी मीडिया रिपोर्टें आई थीं जिसमें बताया गया था कि भारतीय रेलवे डीजल से चलने वाली ट्रेनों के टिकटों पर अतिरिक्त शुल्क लगाएगी। अब रेलवे की ओर से इन रिपोर्टों का खंडन किया गया है। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक रेल मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि मीडिया के एक वर्ग की ओर से पूछा जा रहा है कि क्या भारतीय रेलवे डीजल कर्षण पर चलने वाली ट्रेनों पर अधिभार लगाने जा रही है। सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि भारतीय रेलवे की ऐसी कोई योजना नहीं है। ऐसी अटकलें निराधार हैं। वहीं दैनिक जागरण के संवाददाता के मुताबिक यात्रियों को अब टिकट बुक कराते समय अपने गंतव्य का पूरा पता देने की जरूरत नहीं होगी। रेलवे बोर्ड ने इस बारे में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मालूम हो कि कोरोना काल में इस व्यवस्था को शुरू किया गया था ताकि जरूरत पड़ने पर संबंधित यात्री से संपर्क साधा जा सके। रेलवे के मुताबिक अब इसको वापस लिया गया है। यही नहीं रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए तीन जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों में एक एक अस्थाई अतिरिक्त कोच लगाने का फैसला किया है। रेलवे ने यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए यह फैसला लिया है। लंबी दूरी की इन ट्रेनों में अतिरिक्त कोच की सुविधा से यात्रियों को लंबी वेटिंग से निजात मिलेगी। इन ट्रेनों में 18237/18238 कोरबा-अमृतसर-बिलासपुर एक्सप्रेस, 14646/14645 जम्मूतवी-जैसलमेर-जम्मूतवी, 14662/14661 जम्मूतवी-बाड़मेर-जम्मूतवी एक्स शामिल हैं।

ब्यौहारी- युवा कांग्रेस ने बाबा साहेब अम्बेडकर जी की जयंती मनाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल ।युवा कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने भारतीय संविधान के रचयिता भारत रतन बाबासाहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी के जयंती के अवसर सादर नमन व श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कार्यक्रम में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष राबेन्द्र बैस महंत जी,सचिव अमरेन्द्र द्विवेदी जी,सचिव राजेश बैस जी,मण्डलम अध्यक्ष कमलेश कोल जी,अजय कुमार बैस जी,संदीप सिंह जी,राजेन्द्र बैस जी,राजा सिंह जी,ब्रजेश बैस जी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे

संविधान शिल्पी भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 131वीं जयंती सेक्टर 102 स्थित भंगेल में सपा ने मनाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
देवमणि शुक्ल

नोएडा । समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा डा भीमराव अम्बेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे एवं व्यापार सभा अध्यक्ष मनोज गोयल ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के

चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको याद किया । इस अवसर पर बाबा साहेब के जीवन पर विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए सपा नोएडा ग्रामीण के जिला महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ बाबा साहेब ने जीवन पर्यंत संघर्ष किया । उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया। डॉक्टर भीमराव का जन्म 14 अप्रैल 1891 में हुआ था। बड़ौदा नरेश की सहायता से उन्होंने 1912 में मुम्बई विश्वविद्यालय से सनतक की परीक्षा उत्तीर्ण की। अमेरिका की कोलंबिया विश्वविद्यालय से उन्होंने परासनतक इसके बाद पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वह स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री बने । उन्होंने गरीब और अमीरी की खाई को पाटने का कार्य कर समाज में समरसता लाने का ईमानदारी से प्रयास किया। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इस अवसर पर व्यापार सभा अध्यक्ष मनोज गोयल ने कहा कि बाबा साहेब ने अंतिम पायदान के व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा में लाने का कार्य किया। उनकी जयंती पर सादर नमन इस अवसर पर सपा अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र गौतम, व्यापार सभा अध्यक्ष मनोज गोयल, पुष्पेंद्र बंसल, सौरभ जिंदल, मोहित जाटव, विनोद सिंह, सानू खान, रिसपाल सिंह, सुबोध गोयल, आदित्य गोयल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

हिन्दू महासभा ने अखंड हिन्दू राष्ट्र की स्थापना के लिए पूरे देश में जनजागरण यात्रा निकालने का लिया निर्णय -मुन्ना कुमार शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देवमणि शुक्ल

नोएडा । 108वें स्थापना दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय हिन्दू महासभा ने अपने केंद्रीय कार्यालय हिन्दू महासभा भवन, मन्दिर मार्ग में राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनन कुमार शर्मा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक व अखिल भारत हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन का आयोजन किया। सर्वप्रथम अखंड हिन्दू राष्ट्र की स्थापना हेतु हवन,अखिल भारत हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन एवं देर शाम राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनन कुमार शर्मा ने अखंड हिन्दू राष्ट्र की स्थापना, हिंदी, हिन्दू व हिंदुस्थान का विकास, पाक अधिकृत कश्मीर को पुनः भारत में वापस लाने,समान नागरिक संहिता, प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण कानून, गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध का कानून, पूजा स्थल कानून को अविलंब रद्द करने, श्रीकृष्ण जन्मभूमि,काशी विश्वनाथ मंदिर सहित देवस्थानों की मुक्ति,हिन्दू मठों व मंदिरों की संपत्ति की रक्षा करने, साधु-संतों व हिंदूवादी-राष्ट्रवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं की सुरक्षा,कश्मीर से विस्थापित हिंदुओं की घरवापसी,लवजेहाद, गीता, रामायण, महाभारत, वेद एवं पुराण का प्रचार- प्रसार, धर्मांतरण नियंत्रण, घुसपैठ नियंत्रण, अफगानिस्तान,पाकिस्तान,बांग्लादेश सहित विश्व के अन्य क्षेत्रों में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प दोहराया।उन्होंने घोषणा किया कि अखंड हिंदू राष्ट्र की स्थापना करने के लिए महासभा पूरे देश में जनजागरण यात्रा निकालेगी और हिंदुओं को एकजुट करेगी।उन्होंने कहा कि भारत में हिंदुओं पर हमले स्वीकार्य नहीं है।यदि कोई हिंदुओं और साधु-संतों पर हमले करेगा तो उसको करारा जवाब दिया जायेगा।मठों और मंदिरों की संपत्ति की रक्षा की जाएगी।उन्होंने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से मांग किया कि मंदिरों की सम्पति का अधिग्रहण सरकार तत्काल बंद करे। बैठक में हिन्दू राष्ट्र भारत एवं हिन्दू समाज के अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-मंथन हुआ एवं उसके समाधान हेतु प्रभावी कायर्योजना तैयार की गई। बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री सुनील कुमार, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री वीरेश त्यागी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री मोहनलाल वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी सहजानंद महाराज, डॉ जनार्दन उपाध्याय, अभय सिंह कुलकर्णी, राघव मिश्र, प्रदेशाध्यक्ष अनिल पवार, संजीव राणा, हरीश श्रीवास्तव, राजेश मारीमुथु, अशोक कुमार, उमेश त्यागी, तिरुपति रेड्डी, मोहन कारेमोरे, संतोष मिश्रा,मृत्युंजय कल्याणी, जनार्दन दूबे सहित बड़ी संख्या में हिन्दू महासभा के पदाधिकारी एवं सदस्य सम्मिलित थे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक से पूर्व अखिल भारत हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में हिंदूवादी- राष्ट्रवादी संगठनों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनन कुमार शर्मा ने कहा कि देश के हिन्दूवादी-राष्ट्रवादी संगठनों के साथ मिलकर अखिल भारत हिन्दू महासभा भारत को अखंड हिन्दू राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया।बैठक में उपस्थित महामंडलेश्वर मां अनन्पूर्णा भारती, स्वामी राजेश्वरानंद महाराज, यूनाइटेड हिन्दू फ्रंट के अध्यक्ष जयभगवान गोयल, हिन्दू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय मार्गदर्शक डॉ चारुदत्त पिंगले आदि ने भी अधिवेशन को संबोधित किया।

जन जागरणठ के तहत विद्यार्थियो को आरपीएफ ने किया जागरूक

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल । 13 अप्रेल को आरपीएफ एनकेजे(न्यू कटनी जंक्शन) निरीक्षक- पी के पांडेय एव चौकी

प्रभारी ब्यौहारी उप निरीक्षक- कमल सिंह के द्वारा स्थानीय भारतीयम हायर सेकेंडरी स्कूल ब्यौहारी जिला शहडोल मे अध्यनरत छात्र-छात्राओ को रेलवे से जुड़े अहम जानकारी और कर्तव्यों से रूबरू कराया । इस मुहिम के जरिए रेलवे सुरक्षा बल सतर्क अभियान के तहत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों जैसे विद्यालय और महाविद्यालय में जाकर रेलवे के कायदे कानून और सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही है। विद्यालय के सभा कक्ष में जानकारी देते हुए रेलवे लाईन के किनारे असावधानी पूर्वक खडे होकर मोबाईल द्वारा सेल्फी लेने के दौरान होने वाली दुर्घटनाओ के बारे मे अवगत कराया । रेल लाईन के किनारे, ट्रेनों पर सेल्फी न लेने, रील एवं वीडियो न बनाने हेतु छात्रों को जागरूक किया । उक्त जागरूकता क्लास में छात्र-छात्राओ को रेल गाड़ी मे सफर मे दौरान उचित टिकट व पास के साथ यात्रा करने,बिना उचित कारण के चैन पुलिंग न करने, लेवल क्रासिंग पर गेट बन्द होने की दशा मे उसे नीचे से या बगल से पार न करने की हिदायत दी गई। छात्रों को किसी भी विषम परिस्थिति मे रेलवे हेल्पलाईन नम्बर 139 पर कॉल कर रेल मदद प्राप्त करने हेतु जागरूक किया गया तथा आरपीएफ द्वारा महिलाओं की सुरक्षा हेतु चलाए जा रहे मेरी सहेली अभियान के संबंध में अवगत कराया।कार्यक्रम में छात्रों ने भी अपनी सहभागिता दिखाई व वक्ता से सम्बन्धित सवाल पूछें। इस दौरान स्कूल की प्राचार्या पारुल सक्सेना,डायरेक्टर- सुनील पांडेय व शिक्षक भी उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर से डिस्काम का राजस्व 80 हजार करोड़ तक बढ़ेगा, बिजली खपत पर दूर से ही होगी निगरानी

नई दिल्ली। देश में बिजली चोरी की समस्या का समाधान अब स्मार्ट मीटर से ही होने की उम्मीद है। घरों में जितनी तेजी से स्मार्ट मीटर लगाया जाएगा, बिजली वितरण कंपनियों (डिस्काम) की स्थिति उतनी ही तेजी से सुधरेगी। एक अध्ययन बताता है कि स्मार्ट मीटर लगाने से देश के सभी डिस्काम को अगले कुछ वषी में 80 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है। हालांकि चुनौती यह है कि देश के लक्षित 25 करोड़ में से सिर्फ 40 लाख घरों में ही स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। स्मार्ट मीटरों व डिजिटल साल्यूशंस देने वाली कंपनी इंटेलीस्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के सीइओ अनिल रावल का मानना है कि अभी भी देश में जितनी बिजली डिस्काम को दी जा रही है उसका 23 फीसद हिस्सा एग्रीगेट टेकिन्कल एंड कामशिऱ्यल लास (एटीएंडसी) के रूप में बेकार हो जाता है। इसका आधा हिस्सा चोरी में चला जाता है, जबकि बाकी आधे की बर्बादी ट्रांसमिशन लाइन बेहतर नहीं करने, पुरानी तारों का उपयोग करने या समय पर ट्रांसफारमर नहीं बदलने जैसी वजहों से होती है। केंद्र सरकार देशभर में बिजली मीटर को लेकर बेहद सक्रिय है। बिजली की सही गिनती और सही इस्तेमाल का सटीक लेखा जोखा रखने के सरकार की योजना अगले दो वर्षो में पांच करोड़ स्मार्ट मीटर लगाने की है। अभी तक रफ्तार धीमी है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में राज्यों में 4.8 करोड़ स्मार्ट मीटर के आर्डर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि एक सप्ताह पहले ही बिजली पर संसद की स्थायी समिति ने बिजली की चोरी होने से कंपनियों को सालाना 1.22 लाख करोड़ रुपये नुकसान की बात कही थी। केंद्रीय बिजली मंत्रालय राज्यों के सहयोग से स्मार्ट मीटर लगाने की योजना को प्रोत्साहित कर रहा है। इसके साथ ही स्मार्ट मीटर बिजली वितरण कंपनियों के वित्तीय हालत सुधारने में भी मदद करेगा।

केंद्रीय विद्यालयों के दाखिले में अब नहीं चलेगा कोई कोटा, सांसदों की सिफारिश पर भी लगी रोक

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्यालयों के दाखिले में अब कोई कोटा नहीं चलेगा। केंद्रीय विद्यालय संगठन (ख्व्ए) ने फिलहाल सांसदों सहित केंद्रीय विद्यालयों में दाखिले से जुड़ी सभी 17 श्रेणियों के विशेष कोटे पर रोक लगा दी है। यह रोक अभी अस्थायी रूप से लगाई गई है, लेकिन माना जा रहा है कि अब इसका बहाल होना मुश्किल है। इससे पहले शिक्षा मंत्री ने भी पिछले साल केंद्रीय विद्यालयों में दाखिले के अपने कोटे पर खत्म कर दिया था। इससे पहले तक शिक्षा मंत्री अपने कोटे से हजारों छात्रों को केंद्रीय विद्यालयों में दाखिला दिलवाते थे। यह दाखिला केंद्रीय विद्यालयों में निर्धारित सीटों के अतिरिक्त होता था। केंद्रीय विद्यालय संगठन के मुताबिक सांसदों के केंद्रीय विद्यालयों में दाखिले से जुड़े कोटे को खत्म करने को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इसे सिर्फ रोका गया है। इसके साथ ही दूसरी श्रेणियों के भी विशेष कोटे की भी समीक्षा की जा रही है। इनमें कलेक्टर, केंद्रीय विद्यालय कर्मियों और पहले बच्चे के बालिका होने आदि से जुड़ा कोटा शामिल है। संगठन के मुताबिक समीक्षा के बाद इन्हें केंद्रीय विद्यालय संगठन से जुड़े बोर्ड आफ गर्वनेंस (ँध्उ) की बैठक में रखा जाएगा। जिसके अध्यक्ष शिक्षा मंत्री होते हैं। इसमें किस कोटे को जारी रखना और किस को खत्म करना इस पर अंतिम निर्णय होगा। वैसे देखा जाए तो केंद्रीय विद्यालयों में इस बार दाखिले का प्रक्रिया में कुछ देरी है। इसकी एक वजह कोरोना संक्रमण है, जबकि दूसरा कारण केंद्रीय विद्यालयों में दाखिले की उम्र सीमा को पहली कक्षा में छह वर्ष किए जाने के फैसले को लेकर पैदा हुआ विवाद था। जिसे कोर्ट में भी चुनौती दी गई, लेकिन कोर्ट ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप करार देते हुए इसमें दखल देने से अब इन्कार कर दिया है। मौजूदा समय में प्रत्येक सांसद किन्हीं भी दस बच्चों का किसी भी कक्षा में अपने विशेष कोटे से दाखिला दिला सकते थे।

क्या आलिया भट्ट ने शादी के लिए कॉपी किया कंगना रनोट का दो साल पुराना लुक सब्यासाची पर भी उठ रहे सवाल

नई दिल्ली। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में शादी कर ली। रणबीर के बांद्रा वाले घर वास्तु में दोनों ने एक दूसरे को वरमाला पहनाई। आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर शादी की तस्वीरें शेयर कर फैंस का इंतजार खत्म किया। जितना इंतजार लोगों को आलिया-रणबीर की कपल फोटो का था, उतनी ही बेकरार लड़किया, आलिया भट्ट के लहंगे को देखने के लिए थीं। पर आलिया ने सब्यासाची की डिजाइनर साड़ी पहनी थी। इस दौरान नो मेकअप लुक में एक्ट्रेस काफी प्यारी लग रहीं थीं। वहीं अब आलिया के इसी लुक को कंगना की कॉपी बताया जा रहा है। आलिया भट्ट की शेयर की गई तस्वीरों में उन्होंने आइवरी कलर की कढ़ाईदार साड़ी पहनी थी, जिसके साथ एक दुपट्टा भी कैरी किया था। सादगी में आलिया किसी परी सरीखी लग रही थीं। जैसी उम्मीद थी कि शायद कुछ तड़क-भड़क देखने को मिले पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। बाकी बॉलीवुड एक्ट्रेसेज से बिल्कुल अलग जाकर आलिया ने एक एलिगेंट सी सब्यासाची की साड़ी पहनी। मगर इस साड़ी को बनाने में सब्यासाची से एक चूक हो गई। दरअसल, कंगना रनोट ने अपने भाई अक्षित रनोट की शादी के रिसेप्शन में जो साड़ी पहनी थी, आलिया की साड़ी उससे हूबहू मिलती जुलती है। कंगना की इस साड़ी को सब्यासाची ने ही डिजाइन किया था। कंगना ने अपने लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए सब्यासाची को पोस्ट में टैग भी किया था। 2020 नवंबर में कंगना ने इस साड़ी को पहना था और इसको साथ ही कुछ हिमाचली टच भी दिया था। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि कंगना ने पहाड़ी टोपी भी लगाई हुई है। ट्विटर पर एक यूजर ने आलिया और कंगना के की साड़ी की तस्वीर भी शेयर की है। इस तरह आलिया को उनके स्पेशल डे पर किसी और की कॉपी साड़ी पहनाने वाले सब्यासाची सवालों के घेरे में हैं। अब ये बताना मुश्किल है कि इसका पता आलिया को पहले से था की नहीं, कि अनके फेवरेट डिजाइनर ने उन्हें शादी में पहनने के लिए कंगना की कॉपी वाली साड़ी दी।

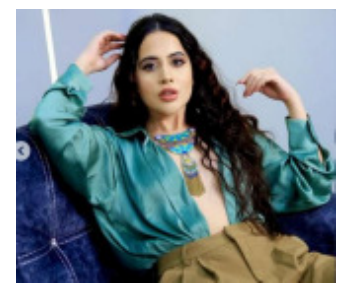

उर्फी जावेद ने फ्रंट कट डिजाइनर बिकिनी पहन कैमरे के सामने किया बोल्ड डांस, यूजर ने कहा, 'चाहती क्या हैं

नई दिल्ली। 'बिग बॉस ओटीटी' कंटेस्टेंट उर्फी जावेद हर बार अपने ड्रसिंग सेंस से लोगों को हैरान करती हैं। वो कैमरे के सामने कब क्या कर जाएं किसी को पता नहीं। उर्फी के फैशन सेंस को आप भले ही पंसद न करें लेकिन उन्हें इगनेर करना बेहद ही मुश्किल है। उर्फी आए दिन अपने नए-नए स्टाइल से लोगों को हैरत में डाल देती हैं। इसी बीच उर्फी ने एक बार फिर से सोशल मीडिया पर आग लगा दी है। इस वीडियो में उनका बिकिनी अवतार देख फैंस फिर से हैरान हैं। यहां देखें उर्फी का नया वीडियो टीवी एक्ट्रेस उर्फी जावेद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट अपना नया वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में वह बिकिनी पहन कर अपना बोल्ड अवतार दिखाती नजर आ रही हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि उर्फी ने पिंक कलर की फ्रंट कट डिजाइन की बिकिनी पहनकर कैमरे के सामने डांस करती दिख रही हैं। वीडियो में उर्फी गार्डन में डांस करती दिख रही हैं। बिकिनी के साथ उर्फी ने बालों में फूल लगाए हुए हैं। वहीं कैमरे के सामने वह अजीबो–गरीब डांस और फेस एक्सप्रेशन देती दिख रही हैं। इस दौरान वह डांस करते हुए आंख मारने वाला इशारा कर रही हैं। इस वीडियो पर हमेशा ही तरह ही फैंस के भर-भर के रिएक्शन आ रहे हैं। इस पर कमेंट कर कई उनकी हॉटनेस की तारीफ कर रहे हैं। तो कई उन्हें ट्रोल करते दिख रहे हैं। इस पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, ''चाहती क्या हैं' वहीं एक यूजर लिखता है, 'आपका जवाब नहीं।' बता दें कि वहीं कई यूजर्स उन्हें हॉट, फायर, ग्लैमरस जैसे कमेंट कर अपना रिएक्शन दे रहे है। अबतक इस वीडियो को लाखों व्यूज मिल चुके है। उर्फी जावेद लखनऊ की रहने वाली हैं। उन्होंने साल 2016 में सोनी टीवी के शो 'बड़े भैया की दुल्हनिया' में अवनि पंत के किरदार से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी।

कंगना रनोट के अत्याचारी खेल में होगी शहनाज गिल की एंट्री, आएगा नया ट्विस्ट

नई दिल्ली। कंगना रनोट के अत्याचारी खेल में पहले ही काफी धमाल मचा हुआ है। अब खबर आ रही है कि इसमें और भी स्पाइस एड करने बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट शहनाज गिल भी शामिल होने वाली हैं। शहनाज को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स हैं कि वो जेल में कैदी बनकर नहीं बल्कि जेलर बनकर सामने आने वाली हैं। जी हां, आपने सही पढ़ा, लॉक अप में बहुत जल्द शहनाज गिल जेलर बनकर एंट्री करने वाली हैं। बिग बॉस 13 विनर सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद लोग शहनाज को देखना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हैं। इससे पहले उन्हें फिल्म हौसला रख और बिग बॉस 15 के फिनाले में देखा गया था। टेलिचक्कर की रिपोर्ट के मुताबिक, शहनाज गिल कथित तौर पर एकता कपूर के रियलिटी शो 'लॉक अप' में जेलर के रूप में एंट्री करेंगी। कंगना रनोट के इस शो के बारे में बात करें तो ये जेल बंद कैदियों के बीच एक गेम शो है। इस जेल में सर्वाइव करने के लिए काफी मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। खैर, शहनाज गिल से पहले, लॉक अप के मेकर्स ने करण कुंद्रा को जेलर के रूप में दिखाया, और तब से दर्शकों को शो का ये पार्ट काफी पसंद आया। मेकर्स ने नोटिस किया है कि जब भी शो में करण को दिखाया जाता है तो रेटिंग बढ़ जाती है। अब उम्मीद है कि शहनाज के आने से शो की रेटिंग में उछाल आएगा। बता दें कि लॉक अप शुरू होने से पहले खबर आई थी कि शहनाज इस शो में कैदी बनकर आएंगी। पर ऐसा हुआ नहीं शहनाज तो नहीं आईं पर इस रियलिटी शो में हर हफ्ते काफी बवाल जरूर देखने को मिलता है। जजमेंट डे के दिन कंगना रनोट के सामने कंटेस्टेंट खुद को बचाने के लिए अपना कोई न कोई सीक्रेट सबके सामने खोलते हैं। जो इसके कंटेंट में और मसाला जोड़ देता है।

संजय दत्त ने युवाओं से नशा न करने का किया आग्रह, कहा अगर मैं बाहर आ सकता हूं तो कोई भी आ सकता है..........

नई दिल्ली। बॉलीवुड के खलनायक संजय दत्त इन दिनों अपनी फिल्म केजीएफ 2 को लेकर चर्चा में है। फिल्म में यश और संजय दत्त को साथ में बड़े परदे पर देखने के लिए युवाओं से नशा न करने की अपील की साथ ही उन्होंने किसी भी तरह का नशा करने वाले युवाओं से ये अपील की कि वह इस पर अपने परिवार से खुलकर बात करें संजय दत्त ने कहा कि अगर वह इस से बाहर आ सकते हैं तो कोई भी आ सकता है अरुणाचल प्रदेश के 50 साल पूरे होने पर संजय दत्त ने अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर और अपने खास दोस्त राहुल मिश्रा से बात की, जहां उन्होंने नशा करने वाले युवा लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने जीवन मे इन सब काम को छोड़कर आगे बढ़े और उनसे यह आग्रह किया कि वह किसी भी तरीके के नशे नशे में ना फंसे। संजय दत्त ने कहा 'अगर मैं ड्रग्स जैसे नशे से बाहर आ सकता हूं तो फिर आप भी आ सकते हैं अपनी बातचीत को आगे बढ़ाते हुए संजय दत्त ने युवाओं से यह भी अपील की कि अगर वह किसी भी तरह के नशे में फंसे हुए हैं तो वह इस प्रॉब्लम के बारे में अपने परिवार और अपने दोस्तों से खुलकर बात करें। संजय दत्त ने सिर्फ युवाओं से नहीं बल्कि परिवार वालों से यह भी अपील की कि अगर उनके युवा बच्चे उनसे अपनी ड्रग्स डिजीज के बारे में बात करते हैं तो वह इसके ट्रीटमेंट पर ध्यान दें और इसे किसी भी तरीके का टाबू ना बनाए त् संजय दत्त ने कहा, 'मैं हाल ही में कैंसर से बाहर निकला हूं और किसी भी चीज से बाहर निकलने के लिए परिवार और दोस्तों का सपोर्ट बहुत ज्यादा जरूरी है नशा भी एक डिजीज है जिसमें आपको प्रॉपर ट्रीटमेंट चाहिए होता है' अभिनेता संजय दत्त ने अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू और विधानसभा अध्यक्ष पासंग दोरजी की अरुणाचल प्रदेश में किए गए विकास और बेटरमेंट के लिए उनकी तारीफ की और साथ ही कहा, 'अरुणाचल प्रदेश सिर्फ एक हिस्सा नहीं होना चाहिए, बल्कि टूरिज्म और शूटिंग के लिए यह भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए त् मुझे यकीन है जो यहां के लीडर हैं उनके नेतृत्व में ये जरूर होगा' संजय ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश राज्य अभियान के 50 साल पूरे किए, जिसका निर्माण राहुल मित्रा फिल्म्स ने किया था।

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने शादी में सात नहीं बल्कि लिए सिर्फ 4 फेरे, एक्ट्रेस के भाई ने बताई ये वजह

नई दिल्ली। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर शादी के बंधन में बंध चुके हैं। सबसे पहले आलिया के सोशल मीडिया पर अपने स्पेशल डे की तस्वीरें शेयर कीं, जो इंटरनेट पर छा गईं। एक दूसरे में खोए हुए, और इंटेंस किस के साथ दोनों की फोटोज ने बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस को खुश कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि उनके भाई राहुल भट्ट ने खुलासा किया है कि आलिया और रणबीर ने परंपरा के अनुसार केवल चार फेरे लिए, सात नहीं, एक पंडित की उपस्थिति में, जो सालों से कपूर परिवार के साथ है इंडिया टुडे के साथ बातचीत में राहुल भट्ट ने बताया, 'उन्होंने (पंडित ने) प्रत्येक फेरे के महत्व को समझाया। एक होता है धर्म के लिए, एक होता है संतान के लिए, इसलिए यह सच में काफी इंट्रस्टिंग था। हम ऐसी फैमिली से आते हैं जहां काफी धर्मों के लोग हैं, ऐसे में मुझे ये सब पहले से नहीं पता था। तो मेरे लिए ये काफी आकर्षक था। आलिया और रणबीर ने सात नहीं बल्कि 4 फेरे ही लिए हैं। हैप्पी सेरेमनी के बाद विशेष रूप से ईटाइम्स से बात करते हुए, आलिया के पिता महेश भट्ट ने अपने इमोशन्स को कन्ट्रोल करते हुए कहा, 'कौन कहता है कि परियों की कहानियों के सच होने की उम्र खत्म हो गई है?' कहने की जरूरत नहीं है कि दुल्हन के पिता खुश और संतुष्ट लग रहे थे कि उनकी बेटी का घर बस गया है। शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए आलिया ने इंस्टाग्राम पर लिखा 'आज, अपने परिवार और दोस्तों से घिरे हुए, घर पर ... हमारे पसंदीदा स्थान पर - जिस बालकनी में हमने अपने रिश्ते के पिछले 5 साल बिताए हैं - हमने शादी कर ली है। हमारे पीछे पहले से ही बहुत कुछ है, हम इंतजार नहीं कर सकते एक साथ और अधिक यादें बनाने के लिए ... यादें जो प्यार, हंसी, चुप्पी, मूवी नाइट्स, फनी झगड़े, वाइन और खुशियों से भरी हैं। हमारे जीवन में इस महत्वपूर्ण समय के दौरान सभी प्यार और विश के लिए धन्यवाद। इस पल को और भी खास बना दिया है।

ढोलक बज रही है, बन्ना-बन्नी गा रहे हैं', बेटी की शादी पर सोनी राजदान को इला अरुण की अनोखी बधाई

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी मुंबई में रणबीर के आवास वास्तु में हो रही है। परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त शादी में शामिल होने वास्तु पहुंच गये हैं। वहीं, सोशल मीडिया के जरिए दोनों को शादी की बधाई दी जा रही है। आलिया की मॉम सोनी राजदान की करीबी दोस्त और सह-कलाकार इला अरुण भी इस शादी को लेकर काफी उत्साहित हैं और सोशल मीडिया के जरिए अपनी दोस्त को बेटी की शादी करने पर बधाई दी है, वो भी बड़े अनोखे अंदाज में। गुरुवार को इला ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने हिंदी सिनेमा की क्लासिक फिल्म मंडी के स्टिल्स का इस्तेमाल किया है। श्याम बेनेगल निर्देशित मंडी में स्मिता पाटिल, शबाना आजमी और नीना गुप्ता के साथ सोनी राजदान और इला अरुण ने भी अहम किरदार निभाये थे। 1983 में आयी मंडी कलाकारों की बेहतरीन अदाकारी के लिए जानी जाती है। इन फोटोज में ये सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में टेक्स्ट लिखा गया है- अपनी प्यारी दोस्त को उसकी बेटी की शादी पर बधाई। वहीं, इस वीडियो के कैप्शन में इला ने लिखा- प्रिय सोनी यहां हम सब भी जलसा मना रहे हैं। ढोलक बज रही है। बन्ना-बन्नी गा रहे हैं। नीना और मेरी तरफ से अपनी व पूरे परिवार को बधाई। इला अरुण बेहतरीन कलाकार होने के साथ गायिका भी रही हैं और बधाई देने के अंदाज में उनके सुरों की खनक भी झलक रही है। बता दें, इससे पहले इला अरुण ने 13 अप्रैल को सोनी राजदान के साथ अपनी एक फोटो शेयर करके उन्हें बधाई दी थी। इला ने ठे देसी अंदाज में लिखा था- हमारी सोनी सासू मां बन रही हैं। महेश और सोनी को शुभकामनाएं। रणबीर और आलिया को आशीर्वाद। यहां बता दें कि रणबीर और आलिया की शादी को लेकर कपूर परिवार ने बेहद गोपनीयता बरती और प्री-वेडिंग फंक्शन शुरू होने तक रणबीर-आलिया की शादी की पुष्टि नहीं हुई थी। यह इला अरुण की पोस्ट ही थी, जिसे रणबीर और आलिया की शादी का पहला कन्फर्मेशन माना गया। इससे पहले तक जो भी खबरें आ रही थीं, वो सूत्रों के हवाले से ही सामने आयी थीं।

केजीएफः चैप्टर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर रचा इतिहास

नई दिल्ली। चैप्टर 2 ने बॉक्स ऑफिस को धुआं-धुआं कर दिया। सालों बाद, सांस रोककर इंतजार कर रहे यश के फैंस ने आखिरकार अपने फेवरेट स्टार को एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर राज करते देखा। प्रशांत नील की इस मैगन्म ओपस में यश के अलावा संजय दत्त, रवीना टंडन ने भी लीड रो प्ले किया है। तो वहीं तमाम सस्पेंस को खत्म करते हुए रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक दूजे के हो गए। परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में दोनों ने सात फेरे लिए। पूरे कपूर खानदान ने परिवार की बहू के तौर पर आलिया का स्वागत किया। दूसरी तरफ अजय कुमार स्टारर बच्चन पांडे दबे पांव आज ओटीटी पर रिलीज हो गई। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर शादी के बंधन में बंध चुके हैं। सबसे पहले आलिया के सोशल मीडिया पर अपने स्पेशल डे की तस्वीरें शेयर कीं, जो इंटरनेट पर छा गईं। एक दूसरे में खोए हुए, और इंटेंस किस के साथ दोनों की फोटोज ने बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस को खुश कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि उनके भाई राहुल भट्ट ने खुलासा किया है कि आलिया और रणबीर ने परंपरा के अनुसार केवल चार फेरे लिए, सात नहीं, एक पंडित की उपस्थिति में, जो सालों से कपूर परिवार के साथ हैं।

आलिया और रणबीर शादी के बाद इस बड़े मंदिर में कर सकते हैं भगवान के दर्शन

नई दिल्ली। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर शादी कर रहे हैं अब खबर आई है कि शादी के बाद दोनों एक मंदिर में दर्शन करने जा सकते हैं आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी में उनके परिवार के लोग और खास दोस्त उपस्थित हैं शादी के स्थल पर मेहमानों का आने का सिलसिला शुरू हो गया है वहां से लगातार खबरें भी आ रही हैं अब खबर आई है कि दोनों शादी के बाद मुंबई के लोकप्रिय सिद्धिविनायक मंदिर का दौरा कर सकते हैंत् खबर के अनुसार बॉलीवुडलाइफ डॉट कॉम में छपी खबर के अनुसार रणबीर और आलिया सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश का दर्शन करेंग दोनों शादी के बाद भगवान का आशीर्वाद लेते नजर आएंग वैसे ऐसा करने वाला यह पहला जोड़ा नहीं होगा इसके पहले दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह भी शादी के बाद सिद्धिविनायक मंदिर दर्शन करने पहुंचे थे यह भी कहा जा रहा है कि शादी पंजाबी अंदाज में हो रही है इसके चलते दूल्हा-दुल्हन एक ही रूम में 4 दिनों तक रहेंगे और चौथे दिन एक पूजा होगी इसके बाद दोनों सत्यनारायण की पूजा में भाग लेंगे और दूल्हा-दुल्हन की मांग में सिंदूर भर शादी को पूरा करेगा यह भी कहा जा रहा है कि नीतू कपूर शादी की रस्मों को लेकर काफी गंभीर है और वह अपनी बहू का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं रणबीर कपूर और आलिया भट्ट शादी के बाद दो भव्य रिसेप्शन का आयोजन करेंगेत् हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट जल्द फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आनेवाले है।

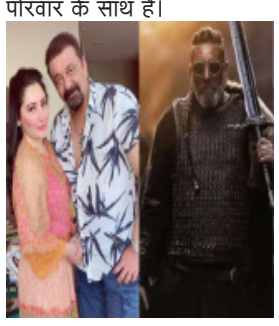

पहले ही दिन 'रॉकी भाई' ने बॉक्स ऑफिस पर रचा इतिहास, कमाए इतने करोड़

नई दिल्ली। यश स्टारर 'केजीएफः चैप्टर 2' ने बॉक्स ऑफिस को धुआं-धुआं कर दिया। सालों बाद, सांस रोककर इंतजार कर रहे यश के फैंस ने आखिरकार अपने फेवरेट स्टार को एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर राज करते देखा। प्रशांत नील की इस मैगन्म ओपस में यश के अलावा संजय दत्त, रवीना टंडन ने भी लीड रो प्ले किया है। केजीएफ 2 ने हिन्दी के साथ-साथ पैन इंडिया में भी जबरदस्त कलेक्शन कर धूम मचा दी है केजीएफः चैप्टर 2 के पहले दिन के रिस्पॉन्स पर नजर डाले तो लगता है रॉकी भाई पूरी तरह से बॉक्स ऑफिस के सभी पुराने रिकॉर्ड्स तोड़ने के मूड में नजर आ रहे है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, यश स्टारर इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी रिलीज के पहले दिन 135-140 करोड़ की कमाई की है। तो वहीं अगर सिर्फ हिन्दी वर्जन की बात करें तो बॉलीवुड हंगामा के अनुसार फिल्म ने पहले दिन ही 48.50 से 51.50 करोड़ के बीच का बिजनेस किया है। माना जा रहा है कि 'केजीएफ 2', राजामौली की आरआरआर का रिकॉर्ड भी तोड़ देगी जिसने पहले दिन हर भाषा में 134 करोड़ कमाए थे। आंकड़ों के अनुसार, 'केजीएफ 2' (हिन्दी) ने 'बाहुबली-कन्क्लूजन' के हिन्दी वर्जन को पीछे छोड़ दिया है, जिसने अपने पहले दिन में 41 करोड़ की कमाई की थी। जबकि ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ अभिनीत 'वॉर' ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 53.35 करोड़ कमाए थे। 'के.जी.एफः चैप्टर 2' यश स्टारर के हिन्दी संस्करण के साथ 'वॉर' की संख्या से कम हो सकता है, जिसके पीछे का कारण दक्षिण भारत में सीमित रिलीज हो सकता है। वहीं अगर केजीएफ के रिव्यू की बात करें तो फिल्म को लेकर जबरदस्त रिस्पॉन्स है। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे अभी से ब्लॉकबस्टर फिल्म करार दिया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः– इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।